

करवाचौथ आज

दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, गुरूवार 29 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 133 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

सुविचार

अपनी मेहनत से दुनिया को यह दिखा दो कि तुम क्या कर सकते हो।

शत्रुजीत कपूर की जगह संजय सिंघल संभालेंगे आईटीबीपी की कमान

नई दिल्ली। आईटीबीपी प्रमुख शत्रुजीत कपूर का कार्यकाल खत्म हो रहा है, इसलिए अब उनकी जगह संजय सिंगल को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस का अतिरिक्त प्रभार देने की तैयारी है। गृह मंत्रालय ने संजय सिंघल को यह जिम्मेदारी सौंपी है। वह आईटीबीपी के डीजी की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी संभालेंगे। सिंघल की ये नियुक्ति 31 अक्टूबर से प्रभावी होगी। 27 अक्टूबर को गृह मंत्रालय ने आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया कि 31 अक्टूबर 2026 को हरियाणा कैडर के आईपीएस शत्रुजीत सिंह कपूर के रियाटर होने पर यूपी कैडर के आईपीएस संजय सिंघल को आईटीबीपी के डायरेक्टर जनरल का अतिरिक्त प्रभार दिया जा रहा है। सिंघल अभी एसएसबी के महानिदेशक भी हैं। जब तक आईटीबीपी के डीजी की स्थाई नियुक्ति नहीं होती, तब तक इस जिम्मेदारी को सिंघल ही संभालेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 22 अक्टूबर को राजस्थान के अलवर में आईटीबीपी का कार्यक्रम हुआ था। उसमें शत्रुजीत ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर चीनी सैनिकों के साथ आमना-सामना हो रहा है। इस बयान के बाद सियासी हंगामा मच गया। कांग्रेस समेत विपक्ष ने चीनी घुसपैठ के दायरे को लेकर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा था। शत्रुजीत आईटीबीपी के डीजी की पोस्ट से रिटायर होने वाले हैं। हरियाणा का जींद शहर उनका जन्मस्थान है।

निर्वाचन आयोग ने अधिकारियों के तबादले पर दिए कड़े दिशा-निर्देश

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को देखकर चुनावी प्रक्रिया से सीधे तौर पर जुड़े अधिकारियों के तबादले और तैनाती को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इन निर्देशों का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार,जिन अधिकारियों ने बीते चार वर्षों के दौरान 31 मई,2027 तक एक ही जिले में तीन वर्ष की सेवा अवधि पूरी कर ली है,उन्हें अनिवार्य रूप से जिले से बाहर स्थानांतरित किया जाएगा। इसके अलावा,पिछले विधानसभा चुनाव या उसके बाद हुए किसी उपचुनाव में तैनात रहे अधिकारियों को उसी विधानसभा क्षेत्र या जिले में फिर तैनात नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को उनके गृह जिलों में भी तैनाती नहीं दी जाएगी। इस स्थानांतरण नीति के दायरे में जिला निर्वाचन अधिकारी,उप जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अफसर,सहायक रिटर्निंग अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी,अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार और खंड विकास अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। पुलिस विभाग में उप निरीक्षक और उसमें उच्च स्तर के अधिकारी,आबकारी विभाग में उप निरीक्षक तथा परिवहन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी भी इन निर्देशों के अंतर्गत आएंगे।

पैरोल अवधि खत्म होने के बाद भी जेल में नहीं पहुंचा आसाराम बापू

जोधपुर। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 20 दिन की मेडिकल पैरोल की अवधि समाप्त होने के बाद निर्धारित समय पर जोधपुर सेंट्रल जेल में पेश नहीं होने के मामले में जेल प्रहरी बनवारी लाल ने उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रातानाडा थाने में कारागार अधिनियम की धारा 58(ख) के तहत मंगलवार देर रात मामला दर्ज किया गया। आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने 6 अक्टूबर को 20 दिन की पैरोल दी थी, जिसकी अवधि 26 अक्टूबर को समाप्त हो गई। पैरोल की अवधि बढ़ाने के लिए आसाराम ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने मेडिकल आधार पर राहत देने से इनकार कर दिया। साथ ही उन्हें मंगलवार शाम 5 बजे तक जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आसाराम एयर एंबुलेंस से उज्जैन से जोधपुर पहुंचे। हालांकि, वह निर्धारित समय तक जेल में सरेंडर नहीं कर सके। रात करीब 10.40 बजे जब वह जोधपुर सेंट्रल जेल पहुंचे, तो जेल अधीक्षक प्रमोद सिंह ने रात के समय बंदियों को प्रवेश नहीं देने के नियम का हवाला देते हुए उन्हें वापस भेज दिया। इसके बाद आसाराम भगत की कोठी स्थित आरोग्यम अस्पताल चले गए। अब उनके बुधवार को जेल में सरेंडर करने की संभावना जताई गई थी।

मोदी सरकार का केन्द्रीय कर्मियों और पेंशनभोगियों को दिवाली उपहार :

सरकार ने डीए और महंगाई राहत (डीआर) में तीन प्रतिशत का किया इजाफा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केन्द्र के कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों को दिवाली को तोहफा मिला है। सरकार ने उनके महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत का इजाफा किया है। वृद्धि इस साल की 01 जुलाई से प्रभावी मानी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे 48.54 लाख कर्मचारियों और 68.71 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। इससे सरकारी खजाने पर प्रतिवर्ष 10,016.10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा,प्रधानमंत्री की ओर से 48 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों के लिए दिवाली का उपहार है, जिसमें महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में वृद्धि की गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश में कंटेनर विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली कंटेनर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी। वित्त वर्ष 2039-40 तक लागू रहने वाली इस योजना का उद्देश्य भारत में विश्वस्तरीय कंटेनर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना,आयात पर निर्भरता कम करना और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाना है। सरकार का अनुमान है कि इससे घरेलू कंटेनर उत्पादन क्षमता लगभग दस गुना बढ़कर सालाना 7.5 लाख टीईयू हो जाएगी और 53,000 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि कंटेनर भारत और दुनिया के व्यापार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। थोक वस्तुओं को छोड़कर निर्यात और आयात के लिए परिवहन किए जाने वाले लगभग सभी सामान कंटेनरों में ले जाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर कंटेनर विनिर्माण कुछ ही क्षेत्रों में केंद्रित है और करीब 95 प्रतिशत उत्पादन एक ही देश में होता है। वैष्णव ने कहा, कंटेनर भारत और पूरी दुनिया में व्यापार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। थोक वस्तुओं को छोड़कर निर्यात या आयात के लिए परिवहन किए जाने वाले लगभग सभी सामान कंटेनरों में ले जाए जाते हैं।

खेल सामग्री उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार लाई योजना



नई दिल्ली। केन्द्र सरकार 'खेलो इंडिया स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग' योजना लेकर आई है। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खेल विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को परियोजना के लिए 1,856.67 करोड़ रुपये की मंजूरी किए। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने आज पत्रकार वार्ता में बताया कि यह योजना 2026 से 2033-34 की अवधि में लागू की जाएगी। योजना के कुछ प्रमुख फोकस क्षेत्र होंगे। योजना से घरेलू खेल सामग्री विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। निवेश, नवाचार और निर्यात को प्रोत्साहिन मिलेगा। रोजगार के अवसर पैदा होंगे और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूती मिलेगी। योजना के तहत निवेश समर्थन और उत्पादन वृद्धि के लिए 1,130 करोड़ रुपये, अंतर्राष्ट्रीय खेल संघों के प्रमाणन के लिए 105 करोड़ रुपये तय किए गए हैं। योजना के माध्यम से खेल सामग्री विनिर्माण क्षेत्रों का विकास किया जाएगा। लघु एवं मध्यम उद्यमों और मौजूदा विनिर्माण समूहों को मजबूत किया जाएगा। अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप और कौशल विकास को समर्थन दिया जाएगा। वैश्विक बाजारों में भारतीय खेल सामग्री का प्रचार किया जाएगा।

इंदौर,उज्जैन और भोपाल को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने के कार्य जारी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में मध्यप्रदेश अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 का किया शुभारंभ



इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के शहरों को आधुनिक, निवेश-अनुकूल, पर्यावरण-संवेदनशील और नागरिक-केंद्रित बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इंदौर,उज्जैन और भोपाल को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य तेजी से किया जा रहा है। वर्ष 2047 तक इस क्षेत्र में लगभग 20 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने, 12 से 15 नई टाउनशिप विकसित करने तथा 25 से 30 हजार एकड़ क्षेत्र में नियोजित शहरी विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इंदौर फ्यूचर सिटी में लगभग 5 हजार एकड़ क्षेत्र में आवास, उद्योग और रोजगार आधारित विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव बुधवार को इंदौर में आयोजित अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि शहर केवल आवासीय क्षेत्र नहीं,बल्कि उद्योग,व्यापार,निवेश और रोजगार के प्रमुख केंद्र हैं। शहरी विकास को आधुनिक अधोसंरचना,जल सुरक्षा, किफायती आवास और बेहतर जीवन गुणवत्ता से जोड़कर भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा। कॉन्क्लेव में निवेशकों के साथ शहरी विकास एवं अधोसंरचना में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इससे प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिलेगा और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रदेश में अब तक लगभग 12 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारा जा चुका है। औद्योगिक कॉरिडोर, सड़क नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, नवकरणीय ऊर्जा,जल प्रबंधन और आधुनिक अधोसंरचना के विकास के साथ सेमीकंडक्टर सहित आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश निवेश, उद्योग, तकनीकी विकास और रोजगार के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संरक्षण एवं उपचारित जल के पुन: उपयोग के लिए उपचारित अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण एवं पुन: उपयोग नीति-2026 तथा किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए मध्यप्रदेश अर्बन अफोर्डेबल हाउसिंग एंड हैबिटेट पॉलिसी-2026 के ड्रॉफ्ट जारी किए। उपचारित जल के पुन: उपयोग का लक्ष्य वर्ष 2037 तक 50 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत 2,013 करोड़ रुपये की शहरी अधोसंरचनात्मक परियोजनाओं के लिए वित्तीय समझौते किए गए। विभिन्न एमओयू के माध्यम से औद्योगिक जल के पुन: उपयोग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और शहरी विकास में तकनीकी सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। नीति आयोग की इंदौर इकोनॉमिक रीजन रिपोर्ट (आईईआर) में मालवा-निमाड़ के 8 जिलों के आर्थिक विकास के लिए वर्ष 2047 तक की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है।

राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने के पक्ष में नहीं थीं सोनिया गांधी

आत्मकथा के प्रकाशित होने से पहले सोनिया गांधी ने एक किस्सा किया शेयर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी इन दिनों अपनी किताब बिलॉनिंगिंग ए जर्नी ऑफ लव को लेकर सुर्खियों में हैं। अपनी आत्मकथा के प्रकाशित होने से पहले उन्होंने राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने के दौरान का किस्सा शेयर किया है। उन्होंने बताया कि जब राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे थे,तब वह इस फैसले के पक्ष में नहीं थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंस्टाग्राम पर सोनिया गांधी ने एक छोटा वीडियो शेयर किया। वीडियो में सोनिया गांधी अपनी कहानी शेयर करने के कारणों को बता रही हैं। इस दौरान उन्होंने बताया कि जब उनके पति राजीव गांधी को प्रधानमंत्री बनने के लिए कहा गया, तो वह इसके खिलाफ थीं। हालांकि, इस छोटी-सी झलक में उन्होंने यह विस्तार से नहीं बताया कि उस समय उनकी सबसे बड़ी चिंता क्या थी। इस सवाल का जवाब उनकी आत्मकथा में किस तरह मिलता है, यह किताब सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगा। दरअसल, 31 अक्टूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री पद संभाला था। उस समय देश एक बड़े राजनीतिक संकट से गुजर रहा था। राजीव गांधी इससे पहले सक्रिय राजनीति में आए जरूर थे, लेकिन प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी उनके जीवन का एक बड़ा मोड़ थी। इसके बाद तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक चुनावी रैली में 21 मई 1991 को राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। वीडियो में सोनिया गांधी ने बताया कि उन्होंने अपनी जिंदगी की कहानी खुद लिखने का फैसला क्यों किया। सोनिया के मुताबिक उनके बारे में दशकों से बहुत कुछ लिखा जाता रहा है, लेकिन कई बातें या तो सही नहीं थीं या फिर बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई थीं। अब वह अपने अनुभवों को अपने शब्दों में सामने रखना चाहती हैं।

चक्रवात अर्नब ने आंध्र प्रदेश में मचाई तबाही,तीन लोगों की मौत



कई मकान क्षतिग्रस्त,मुख्यमंत्री नायडू ने अमित शाह को लिखा पत्र

हैदराबाद,(एजेंसी)। चक्रवात 'अर्नब' के कारण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं तीन लोगों की जान चली गई तथा कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित है,जबकि कई जगह पेड़ उखड़ गए, सड़कें, मकान क्षतिग्रस्त हो गए और फसलें जलमग्न हो गई हैं। रेलवे ने 50 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया है और कई उड़ानें भी प्रभावित हुई हैं। राज्य सरकार ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की अतिरिक्त सहायता और नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्रीय टीम भेजने का अनुरोध किया है। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात के केंद्र के आसपास हवा की रफ्तार 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच है, जो तेज झोंकों के साथ 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में करीब 31 मकानों को नुकसान पहुंचा है। चक्रवात के प्रभाव को देखते हुए प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। दक्षिण मध्य रेलवे ने विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम से गुजरने वाली 50 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया है। राजामुद्री, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम आने जाने वाली दो दर्जन से अधिक उड़ाने रद्द हुई हैं। भारी बारिश, तेज हवाओं और संभावित बाढ़ के खतरे से निपटने के लिए राज्य सरकार और आपदा प्रबंधन एजेंसियां अलर्ट पर हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर चक्रवात अर्णब से प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ की टीमों की मदद बढ़ाने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से अपील की है कि चक्रवाती तूफान से हुए जान-माल और फसलों के नुकसान का जायजा लेने के लिए केंद्रीय टीमों को जल्द से जल्द आंध्र प्रदेश भेजा जाए, ताकि प्रभावित इलाकों में राहत और पुनर्वास कार्यों को गति मिल सके। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि हमारी सरकार चक्रवात अर्नब से पैदा हुई चुनौतियों का सामना कर रहे आंध्र प्रदेश के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। चक्रवात के प्रभाव को कम करने, लोगों की जान बचाने और जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। पूरी रात हालात की समीक्षा करने के साथ ही जिला कलेक्टरों, वरिष्ठ अधिकारियों और जमीनी स्तर पर काम कर रही टीमों के संपर्क में हैं। राज्य सरकार के मंत्री भी मौके पर मौजूद रहकर राहत एवं बहाली कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता पूर्णेकर की हत्या के विरोध में किया प्रदर्शन

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता प्रदीप पूर्णेकर की हत्या के विरोध में उनके सैकड़ों समर्थकों ने ठाणे में घोड़बंदर रोड जाम लगा दिया और कई जगह टायर जलाए, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह करीब चार बजे यातायात सामान्य हो गया। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। पूर्णेकर के बेटे राम पूर्णेकर ने अपने पिता की हत्या के मामले में ठाणे की पूर्व महापौर मीनाक्षी शिंदे और उनके पति राजेंद्र शिंदे की गिरफ्तारी की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शन मंगलवार को उस समय शुरू हुआ,जब पुलिस ने राम पूर्णेकर को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के घर की ओर मार्च करने की कोशिश में हिरासत में ले लिया। इसके बाद नौपाड़ा पुलिस थाने में विरोध प्रदर्शन हुआ। शिवसेना (यूबीटी), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) और कांग्रेस के नेताओं ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया और डिप्टी सीएम शिंदे के इस्तीफे की मांग की।

भारत-अमेरिकी रक्षा संबंधों की समीक्षा कर उन्हें और आगे बढ़ाएंगे : राजनाथ सिंह

दोनों नेताओं ने 10 साल के भारत-अमेरिका डिफेंस फ्रेमवर्क की प्रगति पर फोकस किया



नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिलीपींस में 13वें एडीएमएम-प्लस के मौके पर अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के साथ बातचीत की, जिसमें भारत-अमेरिकी रक्षा संबंधों की समीक्षा करके उन्हें और आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई। फिलीपींस के सेबू में कॉन्क्लेव के दौरान हुई बैठक में दोनों नेताओं ने 10 साल के रक्षा संबंधों के फ्रेमवर्क में सैन्य प्रौद्योगिकी, सूचना साझाकरण और सह-निर्माण पर फोकस किया। बातचीत का मुख्य फोकस आपसी रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर था। रक्षा मंत्री सिंह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में हेगसेथ के साथ अपनी बातचीत को बहुत बढ़िया बताया। उन्होंने कहा कि आज एडीएमएम-प्लस मीटिंग के दौरान ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम और डिफेंस मिनिस्टर रिचर्ड मार्लेस से मिलकर बहुत खुशी हुई। हमने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की समीक्षा करने, मिलिट्री इंटरऑपरेबिलिटी को बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों को सुलझाने करने पर अच्छी बातचीत की। उन्होंने कहा कि हमने अपने 10 साल के इंडिया-अमेरिका डिफेंस फ्रेमवर्क की प्रोग्रेस का रिव्यू किया, जिससे मिलिट्री टेक्नोलॉजी, इंफॉर्मेशन शेयरिंग और को-प्रोडक्शन में स्ट्रेटेजिक कन्वर्जेंस को बढ़ावा मिला। हमारी मजबूत पार्टनरशिप एक फ्री,ओपन और सिक्योर इंडो-पैसिफिक के लिए एक नींव का पत्थर बनी हुई है। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने अपनी तरफ से कहा कि भारतीय रक्षा मंत्री के साथ बहुत अच्छी मीटिंग हुई। हमने अपनी प्रमुख रक्षा साझेदारी के फ्रेमवर्क की सालगिरह मनाई और कोऑपरेशन को मजबूत करने के तरीके खोजे। ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के तहत दोनों देशों के बीच कूटनीतिकरिश्तों में लगातार तनाव के बावजूद इंडिया-अमेरिका डिफेंस रिश्ते बेहतर हो रहे हैं। लगभग 11 साल पहले अमेरिका ने इंडिया को मेजर डिफेंस पार्टनर नामित किया था, जिससे जरूरी सैन्य उपकरण और तकनीक साझा करने का रास्ता बना। भारत और अमेरिका ने पिछले साल अक्टूबर में डिफेंस फ्रेमवर्क पैक्ट पर साइन किए थे, जो दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने के लिए एक बड़ा रोडमैप तय करता है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को मप्र से बनाया राज्यसभा उम्मीदवार

भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने किया ऐलान,12 नवंबर को होगा मतदान

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा की एक रिक्त सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने बुधवार को उनके नाम की घोषणा कर दी है। भाजपा ने एक बयान में कहा कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उपचुनाव के लिए पुरी के नाम को मंजूरी दे दी है। इस उपचुनाव में मध्य प्रदेश विधानसभा के विधायक राज्यसभा सदस्य का चुनाव करेंगे। उप निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन पत्र विधानसभा भवन, भोपाल स्थित रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। यह सीट केंद्र में मंत्री रहे डॉ. एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। उन्होंने इसी माह 14 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिपरिषद और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद निर्वाचन आयोग ने इस रिक्त के सीट के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया था। जारी कार्यक्रम के अनुसार, इस सीट पर 12 नवंबर को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा और इसके बाद उसी दिन शाम पांच बजे मतगणना होगी। उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 26 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार 2 नवंबर तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 3 नवंबर को होगी, जबकि नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 5 नवंबर निर्धारित की गई है। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए सामान्य स्थिति में 116 मतों का कोटा है। हालांकि, कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा मतदान में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। ऐसे में 229 विधायकों के आधार पर चुनावी गणित तय होगा और जीत का कोटा निर्धारित नियमों के अनुसार तय किया जाएगा। हरदीप सिंह पुरी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता,



पूर्व राजनयिक और लेखक हैं। उनका जन्म 15 फरवरी 1952 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से इतिहास में स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई की। वह 1974 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं और करीब 39 वर्षों तक राजनयिक के रूप में काम किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में जिनेवा और न्यूयॉर्क में सेवाएं दीं। वर्ष 2014 में भाजपा में शामिल होने के बाद 2017 में मंत्री बने। वर्तमान में वह केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं। दरअसल, डॉ. एल. मुरुगन अप्रैल 2024 में मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। उन्होंने 14 अक्टूबर 2026 को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 3 अप्रैल 2030 तक था। उनके इस्तीफे के बाद रिक्त हुई सीट पर अब उपचुनाव कराया जा रहा है। उपचुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। निर्वाचन आयोग ने मध्य प्रदेश विधानसभा के अपर सचिव उमेश शर्मा को रिटर्निंग ऑफिसर और अपर सचिव मयंक वर्मा को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

युवाओं को तंबाकू से दूर रखने के लिए मंदसौर में 60 दिवसीय अभियान शुरू



जागरूकता रैली निकाली, गांधी चौराहे पर बनाई मानव श्रृंखला

मंदसौर। जिले में युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाने और तंबाकू मुक्त वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0' की शुरुआत की गई। अभियान के पहले दिन जिला चिकित्सालय परिसर से जागरूकता रैली निकाली गई। वहीं, गांधी चौराहे पर मानव श्रृंखला बनाकर तंबाकू के सेवन से दूर रहने का संदेश दिया गया। जिला चिकित्सालय परिसर में नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जिला प्रशिक्षण केंद्र (आईपीपी-6), मंदसौर पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने के साथ ही तंबाकू नियंत्रण के कानूनी प्रावधानों की जानकारी देने पर जोर दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. द्विवेदी ने बताया कि यह अभियान आगामी 60 दिनों तक संचालित होगा और 26 दिसंबर 2026 तक जिलेभर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके तहत विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, स्थानीय निकायों, युवाओं और अन्य संबंधित पक्षों के सहयोग से तंबाकू नियंत्रण के लिए प्रयास किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू सेवन से दूर रखना तथा शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर तंबाकू मुक्त वातावरण को बढ़ावा देना है। अभियान के शुभारंभ अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. बी.एल. रावत, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. लेखा तंवर, आरएमओ डॉ. सौरव मंडवारिया, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष वर्मा, शहरी नोडल अधिकारी डॉ. अर्पित यति, जिला मीडिया अधिकारी डॉ. एम.एल. कश्यप सहित नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी, आशा कार्यकर्ता तथा जिला अस्पताल के चिकित्सक और नर्सिंग अधिकारी उपस्थित रहे।

22 दिन से लापता युवती का सुराग नहीं, परिजनों ने शामगढ़ थाने का किया घेराव



तीन दिन में तलाश नहीं होने पर नगर बंद और मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने की चेतावनी

मंदसौर। जिले के शामगढ़ नगर की दाल मिल कॉलोनी में रहने वाली 22 वर्षीय मेहनाज मंसूरी के लापता होने के 22 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने से नाराज परिजनों और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शामगढ़ थाने का घेराव किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर युवती की तीन दिन में तलाश करने की मांग की गई। चेतावनी दी गई कि निर्धारित समय में युवती का पता नहीं चलने पर नगर बंद कर मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, 6 अक्टूबर 2026 को दाल मिल कॉलोनी निवासी ग्रेन व्यवसायी रईस मंसूरी की 22 वर्षीय पुत्री मेहनाज मंसूरी घर से बिना बताए लापता हो गई थी। परिजनों के अनुसार, युवती की तलाश के बावजूद अब तक उसके संबंध में कोई सुराग नहीं मिल पाया है। लंबे समय से युवती का पता नहीं चलने से परिजनों में नाराजगी है। इसी के चलते परिजनों और आजाद समाज पार्टी ने थाने का घेराव कर युवती की शीघ्र तलाश करने की मांग उठाई। ज्ञापन के माध्यम से पुलिस प्रशासन को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया गया है।

विकसित भारत युवा संवाद-अपना वोट जानें कार्यक्रम 29 अक्टूबर को

बैतूल। मेरा युवा भारत बैतूल युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 29 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे से बालाजी इंजीनियरिंग कॉलेज में विकसित भारत युवा संवाद - अपना वोट जानें कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उईके उपस्थित होंगे। जिला युवा अधिकारी सुषमा गवली ने बताया कि कार्यक्रम में युवा सीधे केंद्रीय मंत्री श्री उईके से संवाद कर सकेंगे, अपने प्रश्न पूछ सकेंगे और अपने विचार रख सकेंगे। साथ ही सभी प्रतिभागियों को %लोकतांत्रिक शपथ% भी दिलाई जाएगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा नागरिकों और जन-नेतृत्व को एक मंच पर लाकर लोकतांत्रिक जागरूकता बढ़ाना और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को मजबूत करना है। यह कार्यक्रम राष्ट्रव्यापी विकसित भारत युवा संवाद% पहल का हिस्सा है, जो 26 अक्टूबर से 5 नवंबर तक देश के 500 कॉलेजों में आयोजित हो रहा है।

आपदा मित्र प्रशिक्षण के छटवे दिवस कोसमी डेम में तैराकी का दिया प्रशिक्षण

बैतूल। मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग एवं मध्यप्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार होमगार्ड लाइन सोनाघाटी कैंप में आपदा मित्र योजना के अंतर्गत 23 से 29 अक्टूबर तक सात दिवसीय द्वितीय सत्र का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के छटवे दिवस 28 अक्टूबर को बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दी गई। छटवे दिवस में कंपनी कमांडर श्री जेएल कोठारी द्वारा बोट, ओबीएम, लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय, वोट में बैठने वाले लोगों की संख्या बेसिक जानकारी दी गई। साथ ही कंपनी कमांडर सुनीता पंद्रे ने बोट हैंडलिंग अभ्यास, मूविंग लिफ्टिंग अभ्यास की जानकारी तथा नर्सिंग आफिसर श्री हरिराम वाघमारे द्वारा सीपीआर, प्रथमोपचार, स्नेक वाइड, डॉग बाइड, जलने पर प्रमौपचार, जानवरों के काटने पर रैबीज के बारे में बताया गया। इसके बाद कोसमी डेम में तैराकी का प्रशिक्षण दिया गया।

महंगाई राहत और एरियर सहित 12 मांगों को लेकर पेंशनर्स ने सौंपा ज्ञापन

मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर के माध्यम से दिया ज्ञापन, लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग

मंदसौर। संयुक्त पेंशनर संगठनों के प्रांतीय आह्वान पर प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन एवं म.प्र. विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन जिला शाखा मंदसौर ने बुधवार को 12 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन नायब तहसीलदार नारायण चौहान ने प्राप्त किया। ज्ञापन जिलाध्यक्ष सतीश नागर, एमपीईबी पेंशनर एसोसिएशन अध्यक्ष खूबचंद शर्मा एवं सचिव राजेन्द्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में दिया गया। इसका वाचन सतीश नागर ने किया। ज्ञापन में जुलाई 2019 से महंगाई राहत का नियमित भुगतान, 90 माह के बकाया



एरियर का भुगतान, जनवरी एवं जुलाई 2026 से महंगाई राहत देने तथा उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार 32 माह का एरियर 6 प्रतिशत ब्याज सहित देने की मांग की गई। इसके अलावा सातवें वेतनमान के एरियर का भुगतान, नि:शुल्क उपचार की व्यवस्था, जिला एवं संभागीय स्तर पर पेंशन कार्यालयों को पुन: शुरू करने तथा आयु के आधार पर अतिरिक्त पेंशन देने की मांग रखी गई। पेंशनर्स ने विद्युत मंडल के कर्मचारियों की पेंशन की गारंटी, 35 वर्ष की सेवा पूरी करने वालों को चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान, पेंशन सारांशीकरण की अवधि 15 वर्ष से घटाकर 11 वर्ष 9 माह करने और पात्र शिक्षकों को अर्जित अवकाश के नगदीकरण का लाभ देने की मांग भी उठाई। साथ ही पेंशनर्स से संबंधित समितियों के गठन एवं नियमित बैठकों और एनपीएस व यूपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग की गई। संगठनों ने शासन से मांगों का शीघ्र निराकरण करने का आग्रह किया। इस अवसर पर डी.के. जैन, कन्हैयालाल सोनगरा, ओमप्रकाश मिश्रा, सुभाषचन्द्र बुगदे, श्यामलाल परमार, कैलाश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहे।

लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके

हरदा। युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, मतदान के महत्व तथा उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को पीएम श्री कॉलेज, हरदा में 'मेरा युवा भारत (माय भारत) - विकसित भारत युवा संवाद- अपना वोट जानें (नो युअर वोट)' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके, मध्यप्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री कमल पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा सहित कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, पुलिस अधीक्षक श्री शशांक, माय भारत की जिला युवा अधिकारी सुश्री श्रद्धा मित्तल एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि युवा देश का वर्तमान भी हैं और भविष्य भी। लोकतंत्र की मजबूती जागरूक नागरिकों की भागीदारी से सुनिश्चित होती है और इसमें युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदान केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि देश के भविष्य के निर्माण में



भागीदारी का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था, निर्वाचन प्रक्रिया और अपने मताधिकार के महत्व को समझें तथा समाज में भी मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मत देश की दिशा और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है इसलिए युवाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करना चाहिए। केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने युवाओं को विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जागरूक, शिक्षित और जिम्मेदार युवा ही देश को प्रगति के नए शिखर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। यूथ आइकन मेहरुन्निशा ने पीपीटी के माध्यम से समझाई एसआईआर की प्रक्रिया कार्यक्रम में जिले की यशस्वी यूथ आइकन मेहरुन्निशा ने एक विस्तृत पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया। उन्होंने युवाओं को मतदाता सूची के महत्व, उससे जुड़ी प्रक्रिया तथा अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी।

सप्ताह में चार दिन कृषि संबंधी जानकारी लेकर गांवों में पहुँचेंगे अधिकारी

सिंचाई हेतु विद्युत आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था रहे, नहरों के अंतिम छोर तक सिंचाई का पानी पहुँचे

हरदा। जिले में आयोजित की जा रही किसान संगठनों की नियमित बैठकों के क्रम में बुधवार को कलेक्टर श्री कुमार सत्यम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी एवं अन्य कृषि से संबंधित विभागों के अधिकारी सप्ताह में चार दिन कृषकों के बीच गांवों में पहुँचेंगे। इस दौरान चौपाल लगाकर कृषकों को आवश्यक कृषि उपयोगी जानकारी से अवगत करायेंगे। साथ ही उनकी समस्याओं से अवगत होंगे। बुधवार को आयोजित किसान संगठन के प्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि सिंचाई सीजन में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रखी जाए। निर्धारित घण्टों में किसानों को निर्बाध बिजली उपलब्ध हो। मेन्टेनेंस संबंधित कोई अड़चन न आए। किसानों की शिकायतों के प्रति लापरवाह विद्युत कर्मियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। बैठक में सिंचाई व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहा गया कि नहरों के अंतिम छोर तक सिंचाई का पानी पहुँचना सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान नहरों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के कार्य की भी प्रगति से किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। बैठक में ई-टोकन से उर्वरक बुकिंग एवं उर्वरक की उपलब्धता के संबंध में उप संचालक कृषि द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि उर्वरक की उपलब्धता की जानकारी से यथा समय अवगत कराया जाए। बैठक में जिले में बीज की उपलब्धता पर चर्चा करते हुए कहा गया कि अमानक बीज विक्रेताओं पर कठोर कार्यवाही की जाए। बीजों की सेंपलिंग का कार्य जिले में सभी स्थानों पर हो, बगैर लायसेंस के बीज बेचने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाए। अमानक बीज बेचने वाले विक्रेता का लायसेंस निरस्त होने पर उसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जाए। किसान संगठन के प्रतिनिधियों ने मांग की कि बीजों के सैम्पल कृषि सीजन प्रारम्भ होने के एक माह पूर्व लिये जाए ताकि अमानक पाये जाने पर उनको यथा समय प्रतिबंधित किया जा सके। कृषि उपज मण्डियों में व्यापारियों द्वारा मण्डी प्रांगण के बाहर भुगतान किये जाने की शिकायत मिलने पर कलेक्टर ने निर्देश दिये कि किन्हीं भी परिस्थितियों में मण्डी प्रांगण के बाहर कृषकों को भुगतान न हो। मण्डी प्रांगण के अंदर ही भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाले उन्नत कृषि मेलों में कृषकों का भ्रमण कराने की भी संगठन प्रतिनिधियों द्वारा मांग की गई। कलेक्टर ने उद्यानिकी एवं पशु पालन विभाग के अधिकारियों को जिले में किसानों को ज्यादा से ज्यादा विभागीय योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि कृषि को उद्यानिकी में बदलने के लिये भी विभाग द्वारा परिणाम मूलक प्रयास किये जाए। इस दौरान कृषकों के राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। बैठक में लोक निर्माण विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से संबंधित कृषकों की शिकायतों के निराकरण के लिये कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये। बैठक में किसान संगठनों की अन्य समस्याओं पर भी चर्चा कर अधिकारियों को उचित समाधान करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव, अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार सहित भारतीय किसान संघ के प्रदेश मंत्री श्री योगेन्द्र सिंह भाम्बू, जिला अध्यक्ष श्री महेश शर्मा, श्री विजय मलगाया सहित संगठन के प्रतिनिधि के रूप में श्री हरिशंकर सारण, श्री राजेन्द्र बांके, श्री कैलाश जलबड़ा, श्री जितेन्द्र व्यास, श्री विजय यादव, श्री बृजमोहन राठौर सहित अन्य कृषक प्रतिनिधि मौजूद थे।

भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके ने किया लोकार्पण

हरदा। विकासखंड हरदा के ग्राम खामापड़वा में बुधवार को मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, हरदा वृत्त के अंतर्गत नवनिर्मित 33/11 केवी, 5 एमवीए क्षमता के विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण किया गया। भारत सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके ने 265 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, पूर्व मंत्री एवं सांसद प्रतिनिधि श्री कमल पटेल, उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत, जनपद सदस्य श्रीमती माया सूरत सिंह तथा ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती सुनीता डाले सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने कहा कि नए विद्युत उपकेंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के किसानों और ग्रामीण विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे क्षेत्र में लो-वोल्टेज की समस्या दूर होगी और उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सुविधाएं मिल सकेंगी।

तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 का शुभारंभ : तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं एवं आमजन को किया जाएगा जागरूक

विदिशा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार के मार्गदर्शन में आज जिले में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 का शुभारंभ किया गया। अभियान 28 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ होकर 28 दिसंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य युवाओं सहित आमजन को तंबाकू एवं धूम्रपान के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा तंबाकू सेवन छोड़ने के लिए आवश्यक परामर्श एवं सहायता उपलब्ध कराना है। अभियान के शुभारंभ अवसर पर जिला चिकित्सालय विदिशा एवं शासकीय अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा महाविद्यालय के प्रांगण में तंबाकू निषेध की शपथ दिलाई गई। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र



पर आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को तंबाकू तथा धूम्रपान के सेवन से होने वाले विभिन्न दुष्प्रभावों एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी गई। अभियान के अंतर्गत तंबाकू का सेवन करने वाले व्यक्तियों की ओरल स्क्रीनिंग भी की गई। स्क्रीनिंग के माध्यम से तंबाकू सेवन से होने वाले मुख रोगों तथा मुख कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान के लिए जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन को तंबाकू सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों के प्रति सजग रहने तथा प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। तंबाकू छोड़ने के लिए जिला चिकित्सालय में व्यसन मुक्ति केंद्र तंबाकू सेवन छोड़ने के इच्छुक लोगों की सहायता के लिए जिला चिकित्सालय विदिशा में तंबाकू व्यसन मुक्ति केंद्र स्थापित किया गया है। केंद्र में तंबाकू सेवन करने वाले व्यक्तियों को तंबाकू छोड़ने के लिए आवश्यक काउंसलिंग एवं परामर्श प्रदान किया जा रहा है। साथ ही तंबाकू छोड़ने में सहायता के लिए आवश्यक दवाइयां भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्वयं तंबाकू का सेवन न करें और अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी तंबाकू सेवन छोड़ने के लिए प्रेरित करें। विशेष रूप से युवाओं को तंबाकू एवं धूम्रपान से दूर रखने के लिए अभियान के दौरान व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। तंबाकू छोड़ने के इच्छुक व्यक्ति राष्ट्रीय तंबाकू निषेध हेल्पलाइन नंबर 1800-112-356 पर संपर्क कर तंबाकू छोड़ने के लिए आवश्यक परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, गुरूवार 29 अक्टूबर 2026

शॉपिंग मॉल के चौथी मंजिल से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी स्थित एक नामी शॉपिंग मॉल में चौथी मंजिल से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मॉल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक की पहचान आयुष चौधरी (19) के रूप में हुई है। वह डॉन बॉस्को स्कूल के पास स्थित एक अपार्टमेंट में रहता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को रहस्यमय परिस्थितियों में आयुष मॉल की चौथी मंजिल से नीचे गिर गया।

खूंटी में बेटे की हत्या के आरोप में पिता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

खूंटी। खूंटी जिले के कर्रा थाना क्षेत्र के बरांगों गांव निवासी सादिर मुंडा की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या के आरोप में मृतक के पिता मुंडला मुंडा (57) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने घटना के 36 घंटे के भीतर आरोपित को गिरफ्तार करने का दावा किया है। तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) विजय कुमार सिंह ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि सादिर मुंडा अक्सर अपने पिता के साथ मारपीट करता था।

गुजरात के एकतानगर में प्रकृति के बीच साकार होगी 'विविधता में एकता'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्टूबर को करेंगे अनूठी इको-ट्रेल का उद्घाटन

नर्मदा। गुजरात के एकतानगर आने वाले पर्यटक स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की भव्यता निहारने के बाद अब प्रकृति के सानिध्य में भारत की 'विविधता में एकता' की भावना का भी अनुभव कर सकेंगे। एकतानगर के पर्यटन आकर्षणों में एक और नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। यहाँ 2.62 किलोमीटर लंबी अनूठी वन इको-ट्रेल विकसित की गई है। 'ट्रेल ऑफ यूनाइटेड इंडिया' नामक इस इको-ट्रेल में प्रकृति,वन्यजीव, महिला सशक्तीकरण, युवा, भारतीय विरासत और अध्यात्म की झलक देखने



को मिलेगी। आगामी 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पर्यटन आकर्षण का पर्यटकों के लिए उद्घाटन करेंगे। विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी ने एकतानगर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। प्रतिमा के उद्घाटन से अब तक तीन करोड़ से अधिक पर्यटक इस स्थल का भ्रमण कर चुके हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एरिया डेवलपमेंट एंड टूरिज्म गवर्नेंस अथॉरिटी (एसओयूएडीटीजीए) द्वारा एकतानगर में पर्यटन सुविधाओं तथा नए आकर्षणों का लगातार विकास किया जा रहा है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए प्राधिकरण ने लीमडी गाँव में इको-ट्रेल विकसित की है। यह पर्यटकों को प्रकृति के बीच भ्रमण का अवसर देने के साथ भारत की सांस्कृतिक विविधता एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश भी देगी। ट्रेल ऑफ यूनाइटेड इंडिया' की सबसे बड़ी विशेषता इसके पाँच थीमैटिक जोन हैं। वन्यजीव एवं प्रकृति,युवा,महिला सशक्तीकरण, विरासत और आध्यात्मिकता; इन पाँच विषयों को केन्द्र में रखकर ट्रेल पर विभिन्न थीम आधारित प्रदर्शनियाँ और कलात्मक शिल्प स्थापित किए गए हैं। ये जोन पर्यटकों को भारत की प्राकृतिक समृद्धि,सामाजिक प्रगति,सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं की झाँकी कराएंगे। यह ट्रेल प्रकृति तथा राष्ट्रीय एकता के संदेश को जोड़ने वाला एक विशिष्ट अनुभव बनेगी। पर्यटक हरे-भरे जंगलों के बीच पैदल भ्रमण करते हुए विभिन्न विषयों पर आधारित कलात्मक संरचनाओं को देख सकेंगे और प्रकृति के सानिध्य में समय व्यतीत कर सकेंगे। इको-ट्रेल को पर्यटकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए आकर्षक प्रवेश द्वार, पार्किंग, टिकट बूथ और सूचना केन्द्र सहित विभिन्न सुविधाएँ विकसित की गई हैं। इसके अतिरिक्त; मल्टीपर्पज गजेबो, बायोटॉयलेट्स, पीने के पानी की व्यवस्था,बाँस से निर्मित वॉच टावर, दिशासूचक एवं सूचनात्मक साइनबोर्ड, पत्थर से बने बैठक स्थल और ट्रेल का नक्शा जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं। इन व्यवस्थाओं से पर्यटकों को वन क्षेत्र में आसानी से भ्रमण करने और विभिन्न स्थलों के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में सुविधा होगी।

इन्वेस्टमेंट,इनोवेशन एवं इंडस्ट्री का प्रमुख केंद्र बन रहा उत्तर प्रदेश : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर के उद्योगपतियों एवं निवेशकों के साथ विस्तृत चर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख ग्रोथ इंजन बनाने और एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ में सिंगापुर के शीर्ष उद्योगपतियों एवं निवेशकों के 14 सदस्यीय उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत चर्चा की। सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में लॉजिस्टिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, ग्रीन एनर्जी, अर्बन प्लानिंग और हॉस्पिटैलिटी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में बड़े निवेश की इच्छा व्यक्त की। यह प्रतिनिधिमंडल फरवरी में मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा के बाद अब उत्तर प्रदेश के दौरे पर आया है। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आधुनिक सिंगापुर के निर्माता स्व. ली कुआन यू के विजन ने दुनिया को दिखाया कि किसी देश की वैश्विक पहचान उसके



भौगोलिक आकार से अधिक उसकी दृष्टि, कार्यक्षमता और संसाधनों के कुशल उपयोग से बनती है। उन्होंने कहा कि विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत फ्रैजाइल अर्थव्यवस्था की स्थिति से निकलकर दुनिया की अग्रणी और सशक्त अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित हुआ है। इसी प्रकार, पिछले साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश भी बीमारू छवि से बाहर निकलकर देश के ग्रोथ इंजन के रूप में उभरा है। प्रदेश की जीडीपी, वार्षिक बजट और प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हुई है। वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी भी तीन गुना बढ़ी है। बिना जनता पर कोई नया कर लगाए उत्तर प्रदेश निरंतर रेवेन्यू-सरप्लस राज्य बना हुआ है। फरवरी 2026 में सिंगापुर यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम और प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से हुई मुलाकातों का उल्लेख करते हुए योगी ने कहा कि उस दौरान लगभग 60 हजार करोड़ के निवेश समझौतों पर सहमति बनी थी। सिंगापुर रोड शो के दौरान राज्य सरकार ने निवेशकों को सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड का जो भरोसा दिया था, प्रदेश आज भी उसी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अब लक्ष्य निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर उत्पादन शुरू कराने का है। एमओयू से मैन्युफैक्चरिंग और ग्राउंडब्रेकिंग से प्रोडक्शन तक की पूरी प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और हर स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी। सीएम योगी ने प्रतिनिधिमंडल के समक्ष जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निकट समर्पित %सिंगापुर सिटी% और हाई-टेक इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के संगम तथा विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे नेटवर्क से जुड़ा यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए उत्तर भारत का प्रमुख सप्लाई चेन हब बनने की क्षमता रखता है। औद्योगिक निवेश के लिए प्रदेश में 75 हजार एकड़ से अधिक का लैंड बैंक उपलब्ध है और 27 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं।

प्रत्येक विधायिका की संवैधानिक स्वायत्तता को सुरक्षित रखा जाना चाहिए : विजेंद्र गुप्ता

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने व्यापक संसदीय सुधारों की आवश्यकता पर दिया जोर



नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि एकरूप नियमों का अर्थ एक जैसे नियम नहीं है। हमारा प्रयास साझा लोकतांत्रिक मानकों को मजबूत करना होना चाहिए, साथ ही प्रत्येक विधायिका की संवैधानिक स्वायत्तता और विशिष्ट पहचान को भी सुरक्षित रखा जाना चाहिए। गुप्ता ने यह बात दिल्ली में भारत की विधायी संस्थाओं में कार्य संचालन और प्रक्रिया की एकरूपता के लिए मॉडल नियम बनाने संबंधी समिति की बैठक में दिल्ली की ओर से सुझाव प्रस्तुत करते हुए कही। उन्होंने व्यापक संसदीय सुधारों की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि विधायी नियमों में महिला और पुरुष दोनों के लिए समानता पर आधारित भाषा का इस्तेमाल होना चाहिए। सामान्य खंड अधिनियम-1897 से जुड़ी पुरानी परंपराओं के कारण नियमों में प्रचलित पुरुषवाचक शब्दों के स्थान पर ऐसी भाषा अपनाई जानी चाहिए, जो आज के लोकतांत्रिक मूल्यों को दर्शाए। नारी शक्ति का सम्मान भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के नियमों में भी दिखाई देना चाहिए। बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने की। बैठक में महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर,हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया और कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष जीएस पाटिल सहित वरिष्ठ विधायी अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी पीठासीन अधिकारियों का स्वागत करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने 12 मई को मैसूर में हुई समिति की प्रारंभिक बैठक का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पटना में आयोजित 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में साझा प्रक्रियागत ढांचा तैयार करने का निर्णय लिया गया था। संवैधानिक सुरक्षा पर जोर देते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मॉडल नियमों में दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर की अलग-अलग कानूनी व्यवस्थाओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इन क्षेत्रों की विधायिकाएं संवैधानिक प्रावधानों और विशेष कानूनों के तहत काम करती हैं। इनमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम-1991 भी शामिल है। उन्होंने द्विसदनीय विधायिकाओं के लिए उचित प्रावधान करने का सुझाव दिया, जिनमें विधान परिषदों, उनके पीठासीन अधिकारियों, सचिवालय के अधिकारियों और दोनों सदनों के बीच आपसी व्यवस्था से जुड़े विषय शामिल हों।

800 करोड़ का अंबाला शहीद स्मारक 5 नवंबर को होगा राष्ट्र को समर्पित

वीर शहीदों को समर्पित स्मारक का केंद्रीय मंत्री अमित शाह करेंगे उद्घाटन

चंडीगढ़। देश की आजादी की पहली लड़ाई, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों को समर्पित अंबाला छावनी का भव्य शहीद स्मारक अब देश के सामने अपनी ऐतिहासिक पहचान के साथ प्रस्तुत होने जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 5 नवंबर को इस स्मारक का उद्घाटन करेंगे। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उद्घाटन के अवसर पर अंबाला छावनी में एक विशाल जनसभा भी आयोजित की जाएगी। करीब 800 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह स्मारक 1857 की क्रांति के उन वीरों को समर्पित है, जिनके बलिदान को इतिहास में अपेक्षित स्थान दिलाने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जाती रही



है। अनिल विज की वर्षों पुरानी पहल पर साकार हुई इस परियोजना का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। वर्ष 2014 में विज ने इसकी आवश्यकता को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्ताव रखा था, ताकि 1857 के संघर्ष में अंबाला छावनी की भूमिका और देश के विभिन्न हिस्सों की आवाजों को एक राष्ट्रीय स्मारक में स्थान मिल सके। उद्घाटन के बाद यह स्मारक आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। यह स्मारक केवल एक शहर या प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राष्ट्र की धरोहर है। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की गौरवगाथा को आधुनिक तकनीक और ऐतिहासिक दस्तावेजों के माध्यम से प्रस्तुत करने तथा उन सभी वीरों को सम्मान देने के उद्देश्य से इसे तैयार किया गया है, जिन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। स्मारक में कुल 23 गैलरियां बनाई गई हैं, जिनमें अंबाला, हरियाणा, मेरठ, दिल्ली, पंजाब, गुजरात, झांसी और देश के अन्य क्षेत्रों में 1857 के दौरान हुए संघर्षों को प्रदर्शित किया गया है। अब तक शोध के आधार पर 700 से अधिक वीरों के नाम, उनके पिता के नाम और गांवों की पहचान की गई है, जिन्हें स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया गया है।



जेलों में तैनात होंगे हथियारबंद गार्ड, भागने पर 'शूट एट साइट' का आदेश



तमिलनाडु की थेनी जेल से 17 कैदी फरार होने के बाद कड़े किये गये नियम

चेन्नई। तमिलनाडु के थेनी जिला जेल से 17 कैदियों के फरार होने के बाद तमिलनाडु की सभी सेंट्रल और जिला जेलों में बुधवार से हथियारबंद गार्ड तैनात किए जाएंगे। जेल और सुधार सेवा के पुलिस महानिदेशक संदीप राय राठौर ने यह जानकारी दी। यह तैनाती सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव का हिस्सा है, जिसकी घोषणा सोमवार रात हुए जेल ब्रेक के बाद की गई। इस घटना ने मेडिकल इमरजेंसी को संभालने में हुई चूक को उजागर कर दिया। जेल अधिकारी अब सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा कर रहे हैं और एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर रहे हैं। संदीप राय राठौर ने कहा कि वॉचटावर पर हथियारबंद जवान तैनात होंगे, जिन्हें भागने की कोशिश करने वाले को देखते ही गोली मारने का निर्देश दिया जाएगा। अभी तक राज्य की ज्यादातर जेलों में वॉचटावर पर तैनात गार्ड हथियार नहीं रखते हैं। विभाग यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी जेलों में अलार्म सिस्टम ठीक से काम करें। सुरक्षा ऑडिट पूरा होने और नई संचालन प्रक्रिया लागू होने के बाद अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी किए जाएंगे। थेनी जेल में हुई सुरक्षा चूक को स्वीकार करते हुए संदीप राय राठौर ने कहा कि जेल स्टाफ ने नेक नीयत से काम किया था, जब उन्हें एक कैदी की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिली थी। हालांकि, गेट को सुरक्षित करने की तय प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ। स्टाफ ने तीन गेट खोले और स्वास्थ्य समस्या की सूचना पर अंदर भागे। इस दौरान उन्होंने अंदर से गेट लॉक नहीं किए, जिससे रास्ता असुरक्षित रह गया। एक अधिकारी ने गेट को सुरक्षित न करने को प्रोटोकॉल का बड़ा उल्लंघन बताया। कैदियों ने इसी मौके का फायदा उठाया, गार्डों पर हमला किया और फरार हो गए। इस पूरे मामले में इमरजेंसी अलर्ट को संभालने के तरीके और गेट को दोबारा लॉक न करने की विफलता को सुरक्षा चूक के केंद्र में रखा गया है। हालांकि स्टाफ को लगा कि वे एक वास्तविक स्वास्थ्य समस्या पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, लेकिन उनके हस्तक्षेप के दौरान गेट असुरक्षित रहे। विभाग द्वारा घोषित उपायों में सभी सेंट्रल और जिला जेलों में हथियारबंद निगरानी और अलार्म सिस्टम की तैयारी शामिल है। वॉचटावर पर हथियारबंद तैनाती मौजूदा व्यवस्था से अलग होगी, जहां ज्यादातर जेलों में जवान बिना बंदूक के ड्यूटी करते हैं। हथियारबंद तैनाती बुधवार से शुरू होगी, जबकि अन्य बदलाव सुरक्षा ऑडिट और संशोधित प्रक्रियाओं के नतीजों पर निर्भर करेंगे। संदीप राय राठौर ने कहा कि समीक्षा के दोनों चरण पूरे होने के बाद अतिरिक्त उपाय लागू किए जाएंगे।

केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने किया मानस राष्ट्रीय उद्यान का दौरा

बाक्सा (असम)। केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने असम स्थित विश्व धरोहर स्थल मानस राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध जैव विविधता का आनंद लिया। साथ ही उन्होंने असम के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद भी चखा। केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी दो दिवसीय दौरे पर 27 अक्टूबर को यहां पहुंचे थे। आज सुबह उन्होंने मानस उद्यान का भ्रमण किया। दौरे के दौरान मानस राष्ट्रीय उद्यान के मनमोहक प्राकृतिक वातावरण और विविध वन्यजीवों ने केंद्रीय मंत्री को आकर्षित किया। उन्होंने असम की पारंपरिक खाद्य संस्कृति का भी अनुभव किया। इस अवसर पर सुरेश गोपी ने असम के पारंपरिक व्यंजन टेकेली पीठा का स्वाद लिया। चावल से तैयार किया जाने वाला यह पारंपरिक पकवान अपनी विशिष्ट बनाने की विधि के लिए जाना जाता है। इसके साथ ही उन्होंने असम की प्रसिद्ध लाल चाय का भी आनंद लिया। मानस राष्ट्रीय उद्यान अपनी समृद्ध जैव विविधता, प्राकृतिक सुंदरता और विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्रसिद्ध है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 29 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

चुनाव परिणाम पर सवाल

निर्वाचन आयोग को विपक्षी दलों को आमंत्रित कर उनकी शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जब विपक्षी सांसद विरोध जताने निर्वाचन आयोग जाएंगे, तो वह उनसे संवाद शुरू करने का माकूल मौका होगा। लोगों का असंतोष फिर से सड़कों पर उबल रहा है। इस बार मुद्दा राजनीतिक है। नई दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर मुंबई के शिवाजी पार्क और देश के अन्य हिस्सों में हुए विरोध प्रदर्शनों का संदेश है कि जनमत के एक बड़े हिस्से में चुनाव प्रक्रिया के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रहने का भरोसा नहीं रहा। यह चिंताजनक स्थिति है, क्योंकि ऐसी धारणाएं निर्वाचित सरकार की वैधता पर सवाल उठाने तक चली जाती हैं। भारत में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बनने लगी है, जब विपक्ष और सिविल सोसायटी के एक हिस्से में हाल में हुए चुनावों के परिणाम पर खुलेआम संदेह जताया जा रहा है। कुछ राजनेताओं ने 2024 के चुनाव परिणाम पर भी सवाल उठाए हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित विवाद पर जैसा विरोध भड़का है, वह संकेत है कि इन सवालों और संदेहों का प्रभाव दूर तक चला गया है। सरकार के कर्ता-धर्ताओं में दूरदर्शिता होती को बन रहे हालात का मतलब समझते हुए वे उचित पहल करते। कहा जा सकता है कि ऐसा ना कर वे देश की राजनीतिक व्यवस्था के लिए चुनौतियां बढ़ा रहे हैं। केंद्र और निर्वाचन आयोग चाहें, तो अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। उन्हें यह उचित सलाह होगी कि वे चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता बहाल करने की पहल तुरंत करें। इसकी शुरुआत ऐसी सर्वदलीय बैठक बुलाकर की जा सकती है, जो महज रस्म-अदायगी ना हो। उधर निर्वाचन आयोग को विपक्षी दलों को आमंत्रित कर उनकी शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जब इंडिया गठबंधन के सांसद विरोध जताने निर्वाचन आयोग की ओर जाएंगे, तो वह इस प्रक्रिया को शुरू करने का माकूल मौका होगा। आयोग ने एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से निकाले गए वैध मतदाताओं के नाम वापस शामिल करने के अभियान की घोषणा कर उचित कदम उठाया है। अब उसे विपक्षी खेमों की अन्य मांगों भी पर ठोस कदम उठाना चाहिए। उधर केंद्र को निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेश मुताबिक करने के लिए कानून में उचित बदलाव लाना चाहिए। सिर्फ ऐसे कदमों से ही देश को राजनीतिक अस्थिरता से बचाया जा सकेगा।

धर्म,निष्ठा और समर्पण का संगम है करवाचौथ का व्रत

डॉ. घनश्याम बादल



कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाए जाने वाला करवा चौथ केवल एक व्रत नहीं, प्रेम, विश्वास, समर्पण और साथ निभाने की कामना का पर्व है आज के दिन विवाहित महिलाएं पति की दीर्घायु और सुखी जीवन की कामना करते हुए दिनभर निर्जल व्रत रखती हैं। शाम ढलते ही चांद की प्रतीक्षा शुरू होती है। पूजा की थाली, छलनी, दीपक और चंद्रदर्शन के बाद पति का चेहरा देखकर व्रत खोलने की परंपरा दांपत्य प्रेम का विशिष्ट दृश्य रचती है लेकिन सवाल है कि क्या करवा चौथ का अर्थ केवल भूखे-प्यासे रहकर पति की उम्र मांगना ही है, या इसके इतर भी कोई अर्थ है? सबसे प्रचलित कथा वीरवती की है।सात भाइयों की लाड़ली बहन वीरवती ने करवा चौथ का व्रत रखा, लेकिन भूख-प्यास से व्याकुल हो गई। भाइयों ने पेड़ के पीछे दीपक जलाकर उसे चंद्रमा निकलने का भ्रम दिया और उसने व्रत खोल लिया। इसके बाद उसके पति के जीवन पर संकट आ गया। कथा के अनुसार, वीरवती ने पश्चात्ताप और तपस्या से अपने पति के प्राण वापस प्राप्त किए। इस आख्यान का संदेश व्रत के प्रति निष्ठा और संकल्प से जुड़ा है। इसे लोक-आस्था में प्रचलित पौराणिक कथा के रूप में देखना चाहिए। दूसरी कथा के अनुसार करवा नाम की पतिव्रता स्त्री की कथा है। उसने अपने पति को मगरमच्छ से बचाने के लिए अद्भुत साहस दिखाया और अपने दृढ़ संकल्प से यमराज तक को चुनौती दी। कथा का मूल भाव है कि प्रेम केवल भावना नहीं, संकट के समय अपने साथी के साथ खड़े रहने का साहस भी है। महाभारत से जुड़ी एक अन्य कथा में द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण की सलाह पर अर्जुन के कल्याण के लिए व्रत रखने का उल्लेख मिलता है। इन कथाओं की ऐतिहासिकता से अधिक महत्त्व उस भाव का है, जो पीढ़ियों से इनके माध्यम से संप्रेषित होता आया है। धार्मिक दृष्टि से करवा चौथ पर भगवान गणेश, माता पार्वती, भगवान शिव और चंद्रदेव की पूजा का विशेष महत्त्व है। माता पार्वती को अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। शिव-पार्वती का संबंध प्रेम, विश्वास और परस्पर सम्मान की प्रेरणा देता है। गणेश पूजा विघ्नों के निवारण की कामना से जुड़ी है, जबकि चंद्रमा को शीतलता, मन और भावनात्मक संतुलन का प्रतीक माना जाता है। इस प्रकार यह पर्व केवल पति की आयु की प्रार्थना नहीं, बल्कि परिवार के सुख और संबंधों की स्थिरता की कामना का पर्व भी है। लेकिन चांद को देखकर ही व्रत क्यों खोला जाता है? इसका उत्तर धार्मिक मान्यता और सांस्कृतिक प्रतीक, दोनों में छिपा है। हिंदू परंपरा में चंद्रमा को मन का कारक माना गया है। उसकी शीतलता और कलाएं जीवन में संतुलन तथा परिवर्तनशीलता का बोध कराती हैं। चंद्रमा का उदय दिनभर के उपवास के समापन का संकेत बनता है। चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद पति का चेहरा देखना प्रेम, विश्वास और मिलन का प्रतीक है। छलनी के पार दिखता जीवनसाथी मानो यह संदेश देता है कि प्रेम केवल किसी को देखने में नहीं, बल्कि उसे समझने और स्वीकारने की दृष्टि में भी बसता है। आध्यात्मिक अर्थ में चंद्रमा की प्रतीक्षा धैर्य और संयम का अभ्यास भी मानी जा सकती है। हालांकि चंद्रदर्शन व्रत की धार्मिक परंपरा है, कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं कि चांद देखने से पति की आयु बढ़ती है। आस्था का सम्मान और वैज्ञानिक विवेक एक-दूसरे के विरोधी होना आवश्यक नहीं है। समय के साथ करवा चौथ का स्वरूप बदला है। बाजार और प्रदर्शन की संस्कृति ने भी इसमें जगह बना ली है। महंगे परिधान,आभूषण,उपहार और तस्वीरों की प्रतिस्पर्धा कई बार पर्व के मूल भाव पर भारी पड़ जाती है। बाजार ने प्रेम को भी पैकेट में बंद करके बेचने की कला सीख ली है। महंगा उपहार प्रेम का प्रमाण और साधारण उपहार कम प्रेम का संकेत नहीं हो सकता। दांपत्य की असली समृद्धि आभूषणों या बैंक खाते में नहीं, कठिन समय में निभाए गए साथ में दिखाई देती है। आज करवा चौथ को आधुनिक और अर्थपूर्ण बनाने की जरूरत है। यदि पत्नी पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखती है, तो पति भी पत्नी के स्वास्थ्य, सम्मान और सुख के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझे। अनेक दंपती साथ में पूजा करते हैं, जबकि कुछ पति भी पत्नी के साथ व्रत रखते हैं। विवाह किसी एक व्यक्ति का दूसरे के लिए आजीवन त्यागपत्र नहीं, दो व्यक्तियों की साझा जिम्मेदारी है। दांपत्य में प्रेम का अर्थ केवल उपहार देना या सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा करना मात्र नहीं,एक-दूसरे की बात सुनना,असहमति में सम्मान बनाए रखना, घर और बच्चों की जिम्मेदारियां बांटना,आर्थिक निर्णयों में साझेदारी करना और कठिन परिस्थितियों में सहारा बनना ही प्रेम की वास्तविक परीक्षा है। पति पत्नी की आकांक्षाओं का सम्मान करे और पत्नी भी पति की भावनाओं तथा जिम्मेदारियों को समझे। बराबरी रिश्ते की आत्मीयता घटाती नहीं, बल्कि उसे अधिक परिपक्व बनाती है। व्रत में विवेक भी जरूरी है। निर्जल उपवास हर व्यक्ति के लिए सुरक्षित नहीं होता। मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, गर्भावस्था या नियमित दवाओं की आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय सलाह के अनुसार निर्णय लेना चाहिए। धर्म का उद्देश्य जीवन में मंगल की कामना है, स्वास्थ्य को अनावश्यक जोखिम में डालना नहीं। व्रत की भावना प्रार्थना,संयम,सद्भाव और आत्मीयता से भी व्यक्त की जा सकती है। करवा चौथ रिश्ते की समीक्षा करने का अवसर है। इस दिन पति पत्नी से पूछ सकता है कि क्या वह खुश है, क्या उसकी कोई अधूरी इच्छा है और क्या उसे पर्याप्त सम्मान तथा सहयोग मिलता है। पत्नी भी पति की चिंताओं और अपेक्षाओं को समझ सकती है। पूजा के बाद कुछ समय साथ बैठकर मन की बात करना किसी महंगे उपहार से अधिक मूल्यवान हो सकता है। करवा चौथ का चांद आसमान में उगता है लेकिन उसकी असली रोशनी घर के भीतर उतरनी चाहिए। यदि पत्नी पति की दीर्घायु मांगती है और पति उसके सम्मान की रक्षा नहीं करता, तो व्रत का आध्यात्मिक अर्थ अधूरा है। यदि दोनों एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी हैं तो बिना दिखावे के मनाया गया करवा चौथ भी सार्थक है।

राशिफल



मेष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति के अंदर छिपे हुनर को पहचानने में मदद करेंगे। आज आपको करियर में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही लोगों के बीच आपकी प्रशंसा होगी। अगर आप कोई नया व्यापार शुरू करना चाहते हैं तो घरवालों का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृष राशिः आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी। आज आप लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देंगे। काम पर पूरा फोकस करेंगे, आपको जल्द ही कुछ ऐसे रिजल्ट प्राप्त होंगे जिसकी लोगों को बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी। जो लोग टूर एंड ट्रेवल्स के बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन लाभदायक रहने वाला है।

मिथुन राशिः आज का दिन खुशियां देने वाला साबित होगा। बच्चे आज अपनी पढ़ाई का शेड्यूल बदलेंगे, पढ़ने में मन लगा रहेगा। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा। नौकरी कर रहे लोगों के आज प्रमोशन के योग बन रहे हैं। महिलाओं को आज ऑफिस में वर्कलोड कम रहेगा, जिससे आप अपने काम को समय पर पूरा कर लेंगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी अनजान व्यक्ति पर ज्यादा भरोसा ना करें। छात्रों को पढ़ाई में आज और ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी, अच्छा रिजल्ट देखने को मिलेगा। जो लोग कपड़े के व्यापार से जुड़े हैं, उनके काम की गति बढ़ेगी। माता महागौरी की कृपा से दांपत्य जीवन में चल रही समस्याएं समाप्त होंगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। आज आपको भाग्य का साथ मिलता रहेगा। आज आप खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की योजना बनाएंगे। वकीलों को आज किसी पुराने मुद्दे पर बड़े कानूनी सलाहकार की मदद मिलेगी, साथ ही नए क्लाइंट्स से मुलाकात होगी। जीवनसाथी पर पूरा विश्वास बनाए रखें, रिश्तों में मजबूती आएगी।

कन्या राशि : आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आज खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे। ऑफिस में हर कोई आपके कार्यों से प्रभावित होगा। आज आपके घर आपसे मिलने कोई रिश्तेदार आएंगे। आज उनके साथ अलग-अलग व्यंजनों का आनंद उठाएंगे। आज आप जीवनसाथी को कोई ज्वेलरी उपहार देंगे, जिससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कुछ ज़रूरी कार्यों की वजह से आज आपको ऑफिस में देर तक रुकना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ से बचें, अपने समय का सही उपयोग करने से आपको अच्छा फल मिलेगा। आज परिवार का माहौल अच्छा बना रहेगा। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान हो सकता है।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आप छोटी-छोटी बातों में खुशी तलाशने की कोशिश करेंगे। विरोधी आज आपके सामने दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे। इस राशि के बच्चे स्कूल का होमवर्क पूरा करने में किसी की मदद लेंगे। करियर को बेहतर बनाने में आपको गुरु का सहयोग प्राप्त होगा, आप जीवन में आगे बढ़ेंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे-संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। दुकानदारों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है। आज आप जिस भी काम में हाथ लगाएंगे, वो जरूर सफल होगा।

मकर राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज का दिन कार्यों में सफलता दिलाने वाला होगा। आज आपको ज्यादा भावुक होने से बचना चाहिए। जीवनसाथी आज आपकी बातों को समझने की कोशिश करेंगे। आज बड़े-बुजुर्गों की मदद करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों में आपकी तारीफ होगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएंगी। साथ ही कहीं रुका हुआ धन आपको मिल सकता है। आज कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। आज आप खुद को गर्व से भरा महसूस करेंगे। आपको अपने जीवनसाथी से कोई अच्छी खबर मिलेगी।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक और जीवन के अन्य पक्षों से जुड़ी समस्याओं का हल निकलेगा, कोई दोस्त आपकी मदद करेगा। शाम को आप घरवालों के साथ मिलकर अच्छा समय बिताएंगे। व्यापार के प्रति आज की गई कोशिशें भविष्य में रंग लाएंगी। सेहत के मामले में भी सब कुछ अच्छा रहेगा।

जनकल्याण, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प की प्रेरक यात्रा

राजेश अग्रवाल



भारतीय संस्कृति में सेवा केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च संस्कार है। सेवा की यही भावना व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष इसी सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की प्रेरक यात्रा के प्रतीक हैं। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जनसेवा का दायित्व संभालने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के इन 25 वर्षों में जनकल्याण और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक की उनकी यात्रा विकास, दृढ़ संकल्प और जनविश्वास की मिसाल रही है। उन्होंने शासन को केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते वर्षों में देश ने जनकल्याण और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना से करोड़ों परिवारों को पक्के घर का सहारा मिला है। उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को धुएं से राहत दिलाई, आयुष्मान भारत ने जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की और स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता के साथ महिलाओं के सम्मान एवं गरिमा को मजबूत किया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से नागरिकों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा है। जनधन योजना, डिजिटल इंडिया और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने सरकारी योजनाओं की पहुंच को अधिक सरल और पारदर्शी बनाया है। किसान सम्मान निधि, मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया और कौशल विकास जैसी पहलों ने किसानों, युवाओं और उद्यमियों को नए अवसर प्रदान किए हैं। इन प्रयासों का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को प्राथमिकता दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने विकास के साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण को भी नई दिशा दी है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का विकास और देश के प्रमुख तीर्थस्थलों पर सुविधाओं का विस्तार भारतीय संस्कृति के गौरव को नई पहचान दे रहा है। धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के विस्तार से स्थानीय रोजगार, हस्तशिल्प और आजीविका के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। प्रदेश में पर्यटन स्थलों के विकास, जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, धार्मिक स्थलों पर सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय कलाकारों एवं शिल्पकारों को प्रोत्साहन देने के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान ने जनसेवा और जनभागीदारी को नई ऊर्जा प्रदान की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के अंतर्गत 12 प्रमुख पहलों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया गया। 'आशीर्वाद का दीया' ने सेवा, आभार और सकारात्मकता का संदेश दिया, वहीं 'मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा' ने बच्चों और विद्यार्थियों को विकसित भारत की अपनी कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया। 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' और 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' जैसी पहलों ने कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाया। 'आंगन मिलन सेवा' के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहन मिला। 'सेवा की कहानी' ने जनकल्याणकारी योजनाओं से नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को सामने लाया। 'सेवा संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति कलश यात्रा' और 'सेवा मेरा योगदान' जैसी पहलों ने सामाजिक सहभागिता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया। इसी प्रकार 'सेवा सेतु अभियान' और 'सुशासन सेवा संवाद' ने नागरिकों को शासकीय सेवाओं से जोड़ने तथा प्रशासन को अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाने का संदेश दिया। 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' ने युवाओं की नई सोच और नवाचार को प्रोत्साहित किया। इन गतिविधियों ने यह संदेश दिया कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। 17 अक्टूबर 2026 को सेवा संकल्प अभियान का औपचारिक समापन हो रहा है। बीते एक महीने में इस अभियान ने सेवा, स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता, रचनात्मकता और जनभागीदारी की भावना को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान किया है। लेकिन इस अभियान की वास्तविक सार्थकता तभी होगी, जब सेवा का यह संकल्प हमारे दैनिक जीवन और सामाजिक व्यवहार का स्थायी हिस्सा बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा-यात्रा हमें प्रेरित करती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर परिश्रम और जनभागीदारी से बड़े परिवर्तन संभव हैं। विकसित भारत का निर्माण तभी होगा, जब प्रत्येक नागरिक अपने दायित्वों को समझते हुए समाज और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देगा। मैं छत्तीसगढ़ के सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, कलाकारों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने सेवा संकल्प अभियान की भावना को आगे बढ़ाने में योगदान दिया। आइए, हम सब संकल्प लें कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता, बेटियों की शिक्षा, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और सामाजिक सद्भाव को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। सेवा संकल्प अभियान का समापन एक आयोजन का अंत है, सेवा भावना का नहीं। यह जनकल्याण, सुशासन और विकसित भारत के निर्माण की दिशा में नए संकल्पों की शुरुआत है। सेवा को संस्कार, जनभागीदारी को शक्ति और राष्ट्र निर्माण को अपना साझा संकल्प बनाकर ही हम विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के सपने को साकार कर सकेंगे। लेखक कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 29 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती, श्रेया सरन ने की दृश्यम 3 को-स्टार अजय देवगन की तारीफ



दृश्यम फ्रेंचाइजी में अजय देवगन ने विजय सालगांवकर के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म दृश्यम: द कन्क्लूजन को लेकर दर्शकों की नजरें अजय देवगन और पूरी स्टारकास्ट पर हैं। इसी बीच फिल्म में नंदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रेया सरन ने अजय देवगन के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने अभिनेता के डायलॉग बोलने के अंदाज और काम के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ की।श्रेया सरन ने कहा, अजय अपनी आंखों के जरिए बहुत कुछ कह देते हैं। उनकी आंखों में एक अलग तरह की ताकत है, जो उनके किरदार की भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के भी सामने ले आती है। उनका डायलॉग डिलीवरी का तरीका भी काफी अलग है। वह शानदार एक्टर हैं।

श्रेया ने अजय देवगन की मेहनत और काम के प्रति अनुशासन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अजय अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और किसी सीन को बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती। उनके अंदर काम को लेकर काफी जुनून है।

अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अभिषेक पाठक ने दृश्यम फ्रेंचाइजी की कहानी को लेकर काफी मेहनत की और स्क्रिप्ट पर लंबा समय दिया। वह कहानी के हर मोड़ और ट्विस्ट को ध्यान से समझते हैं, फिर उसे पर्दे पर सही तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं।

श्रेया ने अपने किरदार नंदिनी को लेकर भी बात की और कहा, मैं नंदिनी को अच्छी तरह समझती हूं और जानती हूं कि यह किरदार किस तरह सोचता और महसूस करता है। हालांकि, कहानी में आने वाले कुछ बदलाव ऐसे थे, जिनकी मैंने भी उम्मीद नहीं की थी।

दृश्यम फ्रेंचाइजी में श्रेया सरन ने अजय देवगन के किरदार विजय सालगांवकर की पत्नी नंदिनी की भूमिका निभाई है। विजय अपने परिवार को बचाने के लिए हर बार बेहद सोच-समझकर कदम उठाता है और मुश्किल हालात में भी ऐसा रास्ता खोजता है जिससे पुलिस और कानून की पकड़ से परिवार को बचाया जा सके।

दृश्यम : द कन्क्लूजन में अजय देवगन और श्रेया सरन के अलावा तब्बू, जयदीप अहलावत, रजत कपूर, प्रकाश राज, इशिता दत्ता और मृणाल जाधव जैसे कलाकार भी हैं।

दृश्यम: द कन्क्लूजन इसी नाम की मलयालम फिल्म का हिंदी रूपांतरण है। इस कहानी को तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में भी बनाया जा चुका है। हिंदी फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच दिलचस्पी बनी हुई है। दृश्यम: द कन्क्लूजन 2 अक्टूबर से सिनेमाघरों में उपलब्ध है।

रामायण के नए पोस्टर रिलीज, राजा दशरथ से अंतिम विदाई लेते दिखे श्रीराम बने रणबीर कपूर



रणबीर कपूर की नई फिल्म रामायण के रिलीज होने का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच इस फिल्म के नए पोस्टर जारी किए गए हैं, जिन्हें देखकर प्रशंसक भावुक हो रहे हैं। पहले पोस्टर में भगवान राम और राजा दशरथ को एक साथ दिखाया गया है। पोस्टर उस भावुक पल को दर्शाता है, जब श्रीराम ने अपने पिता से वनवास पर जाने से पहले अंतिम विदाई ली थी।

इस पोस्टर को रणबीर ने इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसमें वो श्री राम के अवतार में घुटनों पर बैठकर सम्मान के साथ राजा दशरथ को नमन करते नजर आ रहे हैं, वहीं राजा दशरथ की भूमिका में अरुण गोविल श्रीराम को आशीर्वाद देते दिखाई दे रहे हैं।पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, एक पिता, जो वादे से बंधा है। एक बेटा, जो कर्तव्य से बंधा है। किसी को नहीं पता था कि ये विदाई आखिरी होगी। इस पोस्ट में एक नहीं, बल्कि 2 पोस्टर जारी किए गए हैं। दूसरे पोस्टर में श्री राम नदी में खड़े हो कर अस्थियां विसर्जित करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

उनके चारों तरफ हरियाली फैली हुई है और तस्वीर की सादगी इस पल को और भी भावुक बना देती है। इससे पहले 2 अन्य पोस्टर जारी किए गए थे, जिनमें लारा दत्ता रानी कैकेयी और शीबा चड्ढा मंथरा के रूप में नजर आईं थीं।

रजनीकांत की जेलर 2 का धमाकेदार आगाज, 24 घंटे में एडवांस बुकिंग 20 करोड़ के पार

सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर 2 ने रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाना शुरू कर दिया है। दुनियाभर में एडवांस बुकिंग शुरू होते ही महज 24 घंटे के भीतर फिल्म ने 20 करोड़ रुपये से अधिक का प्री-सेल्स बिजनेस कर लिया है। रिलीज में अभी चार दिन बाकी हैं और एडवांस बुकिंग की इस तूफानी रफ्तार को देखकर माना जा रहा है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान रचेगी।

जेलर 2 की एडवांस बुकिंग भारत में 10 अक्टूबर से शुरू हुई। कुछ विदेशी बाजारों में ये एक दिन पहले ही खुल चुकी थी।

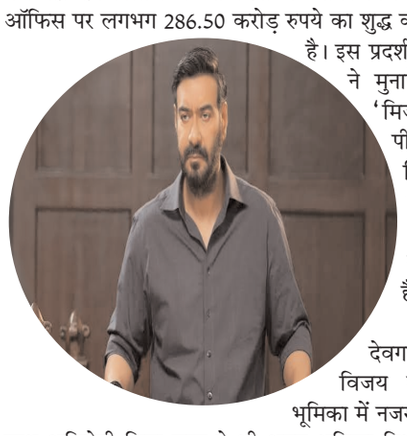
केरल में बुकिंग 11 अक्टूबर की सुबह शुरू हुई। अलग-अलग समय पर शुरुआत के बावजूद फिल्म की प्री-सेल्स को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

11 अक्टूबर की सुबह तक फिल्म का दुनियाभर में एडवांस बुकिंग कलेक्शन 20 करोड़ के पार पहुंच गया। विदेशों में सबसे ज्यादा कमाई हुई, जहां अकेले लगभग 16-17 करोड़ के टिकट बिक गए।

भारत के सभी राज्यों में बुकिंग पूरी तरह न खुलने के बाद भी रजनीकांत की जेलर 2 ने एक ही दिन में देश में 4 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली।

अजय देवगन की दृश्यम 3 ने बॉक्स ऑफिस पर बनाया नया रिकॉर्ड, मिर्जापुर को पछाड़ बनी चौथी मोस्ट प्रॉफिटेबल फिल्म

अभिनेता अजय देवगन की अपराध-कथा पर आधारित रोमांचक फिल्म 'दृश्यम 3: द कनक्लूजन' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के नौ दिनों के भीतर फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर लगभग 286.50 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार कर लिया है। इस प्रदर्शन के साथ फिल्म ने मुनाफे के मामले में 'मिर्जापुर द मूवी' को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म की कमाई में दूसरे सप्ताह के दौरान भी तेजी देखने को मिली है।



फिल्म में अजय देवगन एक बार फिर विजय सालगांवकर की भूमिका में नजर आ रहे हैं। उनके साथ अभिनेत्री श्रिया सरन ने भी अहम भूमिका निभाई है। दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह बना हुआ है। उपलब्ध कारोबारी आंकड़ों के अनुसार, 'दृश्यम 3' वर्ष 2026 की सफल फिल्मों में अपनी जगह बना चुकी है।

सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 62 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरे दिन 53.50 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 61 करोड़ रुपये की कमाई हुई। चौथे दिन फिल्म ने 21 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि पांचवें दिन 19.50 करोड़, छठे दिन 15.50 करोड़ और सातवें दिन 13 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह पहले सप्ताह की कुल कमाई 245.50 करोड़ रुपये बताई गई है।

आठवें दिन फिल्म ने 14.50 करोड़ रुपये और नौवें दिन 26.50 करोड़ रुपये कमाए। इन आंकड़ों के आधार पर फिल्म का कुल शुद्ध कारोबार 286.50 करोड़ रुपये बताया गया है। हालांकि, अलग-अलग कारोबार संबंधी वेबसाइटों के आंकड़ों में मामूली अंतर है।

धर्मा प्रोडक्शन के लिए विषकन्या बनेंगी प्रतिभा रांटा, राजकुमार राव होंगे जोड़ीदार



करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन हॉरर और फैंटेसी जॉनर में लगातार अपनी पैठ जमा रही है। कार्तिक आर्यन के साथ नागजिला के बीच, प्रोडक्शन की अगली फंतासी हॉरर को लेकर ताजा अपडेट आया है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में लापता लेडीज से लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री प्रतिभा रांटा मुख्य नजर आएंगी। उनके साथ राजकुमार राव मुख्य किरदार में होंगे। फिल्म के शीर्षक का खुलासा भी हो गया है और यह एक विशाल जादुई काल्पनिक दुनिया पर आधारित होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म का शीर्षक विषकन्या होगा। इस हाई-कॉन्सेप्ट फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए प्रतिभा को चुना गया है।

कहानी को गुप्त रखा जा रहा है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि निर्माताओं का मकसद हाल के हिंदी सिनेमा में देखे गए किसी भी पौराणिक ब्रह्मांड से अलग एक रहस्यमय ब्रह्मांड को फिल्म के जरिए प्रस्तुत करना है।

यह फिल्म हॉरर की पारंपरिक शैलियों से हटकर एक अलौकिक फंतासी होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, विषकन्या नाम वाली फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर तक शुरू होने की उम्मीद है।

इसका निर्देशन सोनल जोशी करेंगी, जिन्होंने शिल्पा शेट्टी अभिनीत कॉमेडी-ड्रामा फिल्म सुखी (2023) से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था।

धर्मा प्रोडक्शन के साथ प्रतिभा का यह दूसरा सहयोग होने जा रहा है। इससे पहले उन्होंने एक्यूज्ड (2026) नाम की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में काम किया था, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा भी नजर आई थीं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई थी।

कसरत करने के बाद इन 5 तरीकों से करें रिकवरी, जल्द मिलेगी राहत

कसरत करने के बाद शरीर को ठीक से आराम देना उतना ही जरूरी है, जितना कि व्यायाम करना। कसरत के बाद शरीर की मांसपेशियों और जोड़ों पर जोर पड़ता है, जिसके कारण उनमें दर्द और अकड़न जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनसे राहत पाने के लिए शरीर को ठीक से आराम देना जरूरी है। आइए आज हम आपको कसरत के बाद शरीर की रिकवरी के लिए 5 आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं।

पानी की कमी न होने दें

कसरत के बाद शरीर को पानी की कमी से बचाना बहुत जरूरी है। जब आप कसरत करते हैं तो शरीर से बहुत पसीना निकलता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है।

पानी पीने से शरीर को फिर से तरल पदार्थ मिलता है और यह तेजी से ठीक होता है।

इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी पी सकते हैं। इससे शरीर को जरूरी खनिज लवण भी मिलते हैं, जो रिकवरी में मदद करते हैं।



प्रोटीन वाला खाना खाएं

कसरत के बाद प्रोटीन वाला खाना खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है। प्रोटीन मांसपेशियों की मरम्मत करने और उन्हें मजबूत बनाने में मदद करती है।इसके लिए आप दाल, दूध, दही या चिकन जैसी चीजें खा सकते हैं।

इसके अलावा आप प्रोटीन शेक या बार भी ले सकते हैं, जो जल्दी और आसानी से प्रोटीन प्रदान करते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां तेजी से ठीक होती हैं और आप जल्दी से तैयार हो जाते हैं।

स्ट्रेचिंग करें

कसरत के बाद स्ट्रेचिंग करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मांसपेशियों को आराम देती है और खिंचाव कम करती है। इससे रक्त संचार भी बढ़ता है, जिससे शरीर में जमा लैक्टिक एसिड बाहर निकलता है और दर्द कम होता है।

इसके अलावा स्ट्रेचिंग शरीर का लचीलापन बढ़ाती है, जिससे अगली बार की कसरत आसान हो जाती है। इससे शरीर में ताजगी और आराम महसूस होता है, जिससे आपकी रिकवरी प्रक्रिया भी बेहतर होती है।

पूरी नींद लें

पूरी नींद लेना शरीर की रिकवरी के लिए बहुत जरूरी है। जब आप सोते हैं तो आपका शरीर खुद ही मरम्मत करता रहता है और थकान दूर करता है।

अच्छी नींद लेने से आपकी मांसपेशियां ठीक होती हैं और अगली बार की कसरत करने की ऊर्जा मिलती है।

कोशिश करें कि आप रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें ताकि आपका शरीर पूरी तरह से आराम कर सके। इससे आप तरोताजा महसूस करेंगे और आपकी कसरत भी बेहतर होगी।

आराम करें

कभी-कभी आराम करना ही सबसे अच्छा उपाय होता है। अगर आपको बहुत ज्यादा थकान महसूस हो रही है या दर्द हो रहा है तो एक दिन पूरी तरह आराम करें। इसका मतलब यह नहीं कि आप कुछ न करें, बल्कि हल्की-फुल्की एक्सरसाइज जैसे कि चलना या योग करना बेहतर रहेगा। इससे आपका शरीर जल्दी ठीक होगा और आप अगली बार की कसरत के लिए तैयार हो जाएंगे।

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले जान लें ये 5 बातें



वजन उठाने वाली एक्सरसाइज को अक्सर लोग जिम में शरीर बनाने और मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप इसका अभ्यास बिना किसी योजना के कर दें। दरअसल, वजन उठाने वाली एक्सरसाइज को शुरू करने से पहले कुछ बातों का खास ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके। आइए आज हम आपको वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से जुड़ी अहम बातें बताते हैं।

सबसे पहले डॉक्टर से लें सलाह

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। खासतौर से अगर आप पहले से कोई बीमारी या चोट से जूझ रहे हैं या आपकी उम्र 45 साल से ज्यादा है।डॉक्टर आपकी सेहत का आकलन करके आपको वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करने की इजाजत दे सकते हैं या नहीं। इसके अलावा डॉक्टर आपको सही आहार और एक्सरसाइज के बारे में भी बता सकते हैं।

प्रशिक्षक से लें मार्गदर्शन

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करते समय शरीर की मुद्रा का सही होना जरूरी है क्योंकि गलत तरीके से की गई एक्सरसाइज से चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है।इसलिए बेहतर होगा कि आप वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले किसी अच्छे प्रशिक्षक से मार्गदर्शन लें।इसके अलावा आप ऑनलाइन वीडियो देखकर भी वजन उठाने वाली एक्सरसाइज की सही तकनीक और फॉर्म को सीख सकते हैं।

धीरे-धीरे बढ़ाएं वजन

अगर आप वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से जुड़ी सभी तकनीक और फॉर्म सीख भी जाते हैं तो भी आपको शुरूआत में हल्का वजन उठाना चाहिए। यह मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।

इसके अलावा इससे आपको सही फॉर्म को बनाए रखने में मदद मिलेगी। साथ ही आपको अधिक वजन उठाने के कारण चोट लगने का खतरा भी नहीं रहेगा। इसके बाद ही आप धीरे-धीरे वजन बढ़ा सकते हैं।

वार्मअप करना है जरूरी

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से पहले वार्मअप करना बहुत जरूरी है। दरअसल, जब आप अपने शरीर को गर्म करते हैं तो इससे आपके दिल की धड़कनें बढ़ती हैं और आपकी मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं।इससे आपके शरीर में लचीलापन भी आता है और आप आसानी से वजन उठाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं।इसके अलावा वार्मअप करने से शरीर में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे शरीर में मौजूद जमी हुई चर्बी आसानी से पिघलने लगती है।

हाइड्रेट रहें

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज के दौरान शरीर को पर्याप्त पानी देना महत्वपूर्ण है। अगर आप जिम में बहुत पसीना बहा रहे हैं तो पानी के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन भी करें।

इसके लिए आप नारियल पानी, स्पोर्ट्स ड्रिंक या फिर इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त पानी का सेवन कर सकते हैं।

इसके अलावा आप घर पर बनाकर भी पी सकते हैं। इसके लिए पानी में थोड़ा-सा नींबू का रस और चुटकी भर नमक मिलाकर पिएं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 29 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

इसराइल में सैनिकों को नाज़ी बताकर प्रदर्शन, प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प

इन घटनाओं ने इजराइली समाज में मौजूद एक गहरी दरार को उजागर कर दिया



तेल अवीव। इजराइल में सड़कों पर विरोध करते उग्र प्रदर्शनकारी इजराइली सुरक्षा बलों को नाज़ी बताते हुए उनकी निंदा कर रहे हैं, लेकिन यह लंदन या पेरिस की सड़कों पर फलस्तीनी लोगों के समर्थन में हो रही रैली नहीं है। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच यह झड़प इजराइल के बीचोंबीच हो रही है। यहां सफेद कमीज, काली फेडोरा टोपी और लंबे काले कोट पहने सैकड़ों अति-रूढ़िवादी यहूदी सैन्य पुलिस के सामने खड़े हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विवाद की शुरुआत यरूशलम और तेल अवीव के बीच स्थित मोदिइन शहर की एक इमारत से शुरु हुई। यहां एक युवा अति-रूढ़िवादी यहूदी रहता है उसने इजराइल के नियमों के मुताबिक अनिवार्य सैन्य सेवा में हाजिर होने से इनकार कर दिया। पुलिस इसी सिलसिले में उसे गिरफ़्तार करने पहुंची थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर की शुरुआत के इस घटनाक्रम जैसी कई घटनाएं पिछले कुछ महीनों में सामने आई हैं। इन घटनाओं ने इजराइली समाज में मौजूद एक गहरी दरार को और उजागर किया है। यह बढ़ती दरार ऐसे समय में सामने आ रही है, जब इजराइल कई मोर्चों पर लड़ रहा है, इनमें गाजा में हमास के खिलाफ जारी संघर्ष भी शामिल है। इसके अलावा कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों के खिलाफ चरमपंथी यहूदी बस्तियों के लोगों की हिंसा भी बढ़ रही है। कभी एक छोटा अल्पसंख्यक समूह रहे अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदी आज भी एक अलग समुदाय के तौर पर रहते हैं, हालांकि उनकी संख्या हर साल बढ़ रही है। अभी अनुमान है कि वे इजराइल की कुल आबादी का करीब 14 फीसदी हैं। इस समुदाय में जन्म दर भी दूसरे इजराइलियों के मुकाबले काफी ज़्यादा है। अगर उनकी आबादी इसी रफ्तार से बढ़ती रही, तो 2050 तक वे यहूदी इजराइली आबादी का एक-तिहाई हिस्सा हो सकते हैं। अब इस अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदी समुदाय को एक छोटा और महत्वहीन अल्पसंख्यक समूह नहीं माना जा सकता। इसके साथ ही उन पर इजराइल के व्यापक समाज के साथ ज्यादा जुड़ने का दबाव भी बढ़ रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था इस चुनाव के दो अहम मुद्दे हैं। ऐसे में अति-रूढ़िवादी यहूदियों और उन ज़्यादातर इजराइलियों के बीच मतभेद पहले से कहीं ज्यादा गहरे हो गए हैं, जो मानते हैं कि अति-रूढ़िवादी समुदाय देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था में अपनी उचित हिस्सेदारी नहीं निभा रहा है। मौजूदा किसी भी राजनीतिक गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने की संभावना नहीं है। वहीं पीएम नेतन्याहू का राजनीतिक भविष्य भी अनिश्चित है। ऐसे में छोटी पार्टियों, जिनमें हरेदी पार्टियां भी शामिल हैं, उनकी भूमिका एक बार फिर अहम हो सकती है। ये पार्टियां तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं कि इजराइल में अगली सरकार किसकी बनेगी।



पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में संसद के बाहर प्रदर्शन करते हुए पुर्तगाली युनियन से जुड़े लोग।

शमोंडा वायरस से संक्रमित होने का पहला मामला फ्रांस में दर्ज

पेरिस। फ्रांस में जानवरों में पाए जाने वाले शमोंडा वायरस से इंसान के संक्रमित होने का दुनिया का पहला मामला दर्ज किया गया है। इस वायरस से संक्रमित व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक व्यक्ति पहले से ही एक गंभीर बीमारी से पीड़ित था और उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी बेहद कमजोर थी। फ्रांसीसी स्वास्थ्य और कृषि मंत्रालयों के अनुसार, मरीज में मृत्यु से पहले मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याएं देखी गई थीं, जिनका संबंध इस वायरस के संक्रमण से जोड़ा जा रहा है। हालांकि, फ्रांसीसी स्वास्थ्य अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल आम जनता के लिए इससे कोई बड़ा स्वास्थ्य जोखिम नहीं है। शमोंडा वायरस मुख्य रूप से मवेशियों को संक्रमित करने वाला वायरस है, जो खून चूसने वाले मिज नामक छोटे उड़ने वाले कीड़ों के माध्यम से फैलता है। जब कोई मिज किसी संक्रमित जानवर का खून चूसता है, तो वह वायरस को अपने अंदर ले लेता है और फिर दूसरे जीव को काटकर उसे संक्रमित कर देता है। इस वायरस की पहचान सबसे पहले 1960 के दशक के मध्य में नाइजीरिया में हुई थी। इसके बाद अफ्रीका और जापान में केवल मवेशियों और अन्य जानवरों में ही इसके मामले देखे जाते रहे थे। आज से पहले यह माना जाता था कि शमोंडा वायरस इंसानों को प्रभावित नहीं करता है, इसलिए इंसानी शरीर में इसका मिलना वैज्ञानिकों के लिए भी अध्ययन का विषय बन गया है। शुरुआती जांच के अनुसार, पूर्वी फ्रांस में साल 2026 की वसंत और गर्मियों की ऋतु के दौरान जानवरों में यह वायरस फैलने की सूचना मिली थी। माना जा रहा है कि मरीज को उसी दौरान किसी संक्रमित मिज ने काटा होगा, जिससे वायरस उसके शरीर में प्रवेश कर गया। जानवरों के मामले में अब तक इस वायरस के एक-दूसरे के सीधे संपर्क से फैलने के कोई सबूत नहीं मिले हैं, हालांकि गर्भवती पशु से उसके पेट में पल रहे बच्चे तक इसके पहुंचने की आशंका जताई जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मरीज की बेहद कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता इस संक्रमण और उसके घातक परिणामों की मुख्य वजह हो सकती है।

यूरोप में नाबालिगों ने तोड़फोड़ की तो जुर्माना माता-पिता भरेंगे

पेरिस। यूरोप के कई देशों में इन दिनों युवाओं और छात्रों का गुस्सा सड़कों पर साफ दिखाई दे रहा है। फ्रांस से शुरू हुई विरोध की यह आग अब इटली, बेल्जियम और अल्बानिया तक फैल चुकी है, जहां जेन-जी वर्तमान शिक्षा व्यवस्था, बढ़ती महंगाई और सरकारी बजट में कटौती के खिलाफ पुरजोर आवाज उठा रही है। कई स्थानों पर यह आंदोलन उग्र रूप धारण कर चुका है, जिससे सार्वजनिक संपत्तियों और दुकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस अराजकता पर अंकुश लगाने के लिए इटली और फ्रांस की सरकारों ने सख्त कदम उठाते हुए कानून में बड़े बदलाव किए हैं। अब यदि नाबालिग सड़कों पर दंगा या तोड़फोड़ करते हैं, तो उसका पूरा हर्जाना उनके माता-पिता को अपनी जेब से भरना पड़ेगा। यूरोप के अलग-अलग हिस्सों में छात्र और युवा सड़कों पर उतरकर वर्तमान सामाजिक और आर्थिक नीतियों का कड़ा विरोध कर रहे हैं। फ्रांस में सितंबर 2026 के अंत में पेरिस के सीन-सेंट-डेनिस क्षेत्र के स्कूलों से आंदोलन की शुरुआत हुई। वहां छात्र जर्जर पड़े स्कूल भवनों, शिक्षकों की भारी कमी और शिक्षा बजट में की गई कटौतियों से नाराज थे। देखते ही देखते यह आंदोलन पूरे देश में फैल गया और इसमें आम नागरिक तथा कर्मचारी भी शामिल हो गए।

हूतियों ने सऊदी अरब पर किया मिसाइल हमला

रियाद। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के कई महत्वपूर्ण और रणनीतिक ठिकानों पर बड़े हमले करने का दावा किया है। हूतियों के बयानों के अनुसार, उन्होंने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित रक्षा मंत्रालय और देश की प्रमुख तेल रिफाइनरी रास तनूरा को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया है। दूसरी ओर, सऊदी अरब के सैन्य अधिकारियों ने रियाद और पूर्वी प्रांत की ओर दागी गई मिसाइलों को हवा में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट करने का दावा किया है। राजधानी में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई देने और नागरिकों के मोबाइल पर सुरक्षा अलर्ट आने से पूरे क्षेत्र में चिंता और घबराहट का माहौल बन गया।

केनको टोकिना ने पेश किया दुनिया का सबसे छोटा डिजिटल कैमरा

टोक्यो। प्रतिष्ठित जापानी फोटोग्राफी कंपनी केनको टोकिना ने दुनिया का सबसे छोटा और हल्का डिजिटल कैमरा लॉन्च कर दिया है। ये कैमरे सिर्फ 18 ग्राम वजनी हैं और इन्हें स्टाइलिश पेंडेंट या चाबी के छल्ले की तरह गले में पहना जा सकता है। यह छोटा सा गैजेट, जिसे फिनिश भाषा में पिनी यानी छोटा कहा जाता है, आजकल के युवाओं और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक नया विकल्प पेश कर रहा है, जो भारी-भरकम डीएसएलआर या बड़े स्मार्टफोंस से बचना चाहते हैं। आकार में उंगली के पोर से भी छोटा यह कैमरा कॉम्पैक्ट डिजाइन और क्लासिक रेट्रो लुक का शानदार मिश्रण है। पीनी एम मॉडल में एक छोटी कलर एलसीडी स्क्रीन भी दी गई है, जिससे यूजर्स तुरंत अपनी ली गई तस्वीरों को देख सकते हैं और फ्रेमिंग कर सकते हैं। 1.3 मेगापिक्सल सेंसर से लैस यह कैमरा विंटेज स्टाइल की तस्वीरें क्लिक करने के साथ-साथ आवाज के साथ वीडियो रिकॉर्ड करने और वॉयस रिकॉर्डिंग की सुविधा भी देता है। इसमें सोशल मीडिया के लिए तुरंत कूल शॉट्स देने वाले कई इन-बिल्ट कलर फिल्टर्स भी मौजूद हैं, जो तस्वीरों को एक मजेदार और अनूठा लुक देते हैं। यह कैमरा यात्रा के शौकीनों और रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों को कैद करने वालों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। कई बार सफर के दौरान या भीड़भाड़ वाली जगहों पर बार-बार जेब से फोन निकालने की मशक्कत से बचा जा सकता है, क्योंकि गले में लटका यह केनको पिनी कैमरा बस एक बटन दबाते ही रिकॉर्डिंग शुरू कर देता है। स्टोरेज के लिए इसमें माइक्रो एसडी कार्ड स्लॉट दिया गया है, जिसमें हजारों तस्वीरें और ढेर सारे वीडियो सेव किए जा सकते हैं, जबकि बैटरी चार्ज करने और डेटा ट्रांसफर के लिए यूएसबी टाइप-सी पोर्ट उपलब्ध है, जिसे आसानी से मोबाइल चार्जर या पावरबैंक से चार्ज किया जा सकता है।

यूएस के राजदूत को झूठा कहने पर हंगामा, रोकना पड़ी कार्यवाही

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासभा में मंगलवार को अमेरिका और क्यूबा के प्रतिनिधियों के बीच तीखी झड़प हो गई। बहस इतनी ज्यादा बढ़ गई कि कुछ देर के लिए कार्यवाही को रोकना पड़ा। दरअसल, अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज पोडियम पर अपना संबोधन दे रहे थे तभी क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिग्ज पारिला पोडियम पर पहुंचे और माइक पकड़कर अमेरिकी राजदूत को झूठा कहकर धमकाने लगे। इससे विवाद बढ़ा और हंगामा शुरु हो गया। जिसके चलते कुछ देर के लिए कार्यवाही रोकना पड़ी। यह घटनाक्रम क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंधों की निंदा करने से जुड़े संयुक्त राष्ट्र महासभा के मतदान से ठीक पहले हुआ, जो आधुनिक समय के सबसे लंबे आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंधों में से एक है। पारिला ने आरोप लगाया कि अमेरिका अन्य देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे प्रतिबंधों की निंदा करने वाले प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करें। उनके मुताबिक, हाल में ईंधन आपूर्ति पर लगाई गई पाबंदियों ने क्यूबा की स्वास्थ्य व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे देश में शिशु मृत्यु दर दोगुनी हो गई है और लाखों क्यूबाई लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया है।

लाल हाई हील्स खरीदने के लिए उमा थर्मन ने बचपन में चुराए थे पैसे



लॉस एजेलिस। हॉलीवुड अभिनेत्री उमा थर्मन जब महज तीन या चार साल की थीं, तब लाल रंग की हाई हील्स खरीदने के लिए उन्होंने घर से 75 सेंट चुरा लिए थे। अभिनेत्री ने अपने बचपन से जुड़ा एक ऐसा किस्सा साझा किया है, जिसे याद करके आज भी उन्हें उस समय का डर महसूस होता है। अभिनेत्री के मुताबिक, पैसा चुराने के बाद वह अकेले जूते की दुकान पर पहुंच गईं। लेकिन दुकानदार को इतनी छोटी बच्ची के अकेले आने पर संदेह हुआ और उसने पुलिस को बुला लिया। उमा को उस समय लगा था कि अब उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उमा थर्मन ने यह किस्सा एक शो में सुनाया। उन्होंने बताया कि उनका परिवार मैसाचुसेट्स के एमहर्स्ट शहर में रहने आया था। उनके पिता वहां शिक्षक थे। नए शहर में पहुंचने के दौरान उनकी नजर एक जूते की दुकान की खिड़की में रखी लाल रंग की हाई हील्स पर पड़ी। उन जूतों को देखकर उनके मन में उन्हें खरीदने की इच्छा पैदा हो गई थी। अभिनेत्री के अनुसार, अगले दिन दोपहर में उनकी मां सो रही थीं। इसी दौरान उन्होंने मेज पर रखे लगभग 75 सेंट उठाए और अकेले ही जूते खरीदने निकल पड़ीं। उन्हें दुकान का रास्ता याद था, इसलिए वह वहां पहुंच भी गईं। दुकान में उन्होंने जूते पहनकर देखे और दुकानदार को बताया कि उनकी मां भी आने वाली हैं। इसके बाद उन्होंने दुकानदार को पैसे दे दिए। शुरुआत में उमा को लगा कि सब कुछ ठीक चल रहा है और वह अपनी पसंद के जूते खरीद लेंगी। लेकिन दुकानदार को उनकी बात पर भरोसा नहीं हुआ। उसे संदेह था कि इतनी छोटी बच्ची की मां शायद दुकान पर आने वाली नहीं है। उसने उमा से सवाल पूछने शुरू कर दिए और फिर पुलिस को बुला लिया। उमा ने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने उनसे उनके घर का पता पूछा, लेकिन उन्हें अपनी सड़क का नाम तक याद नहीं था। उन्होंने पुलिसकर्मियों को समझाने की कोशिश की कि वह खुद घर लौट सकती हैं, क्योंकि उनका घर पास में ही है। हालांकि, पुलिस ने उनकी बात नहीं मानी और उन्हें अपने साथ ले गई। अभिनेत्री ने बताया कि यह घटना उन्हें आज भी अच्छी तरह याद है, क्योंकि उस दिन वह पहली बार इतना डर गई थीं। उन्हें सचमुच लग रहा था कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस का एक अधिकारी उन्हें अपनी गोद में लेकर गाड़ी में बैठा था। पुलिस की गाड़ी शहर में घूमती रही, लेकिन इस दौरान वह अपना घर पहचान नहीं पा रही थीं। कुछ देर बाद पुलिस को सड़क पर उनकी मां दिखाई दीं। उमा के मुताबिक, उनकी मां घबराई हुई थीं और उन्हें ढूंढ़ते हुए सड़क पर आवाज लगा रही थीं। मां को देखते ही पुलिस अधिकारियों को समझ आ गया कि वह बच्ची की मां हैं। बचपन की इस घटना को साझा करते हुए उमा थर्मन ने बताया कि लाल हाई हील्स खरीदने की छोटी-सी इच्छा उस उम्र में उनके लिए एक बड़े अनुभव में बदल गई थी।

इजरायल चुनाव मतदान खत्म, एग्जिट पोल में नेतन्याहू गठबंधन को मिली 59 सीटें

तेल अवीव। इजराइल में वोटिंग खत्म हो चुकी है। इस बार 1988 के बाद पहली बार इतनी बंपर वोटिंग हुई है। 7 अक्टूबर, 2023 को हुए हमास हमले और उसके बाद गाजा, लेबनान और ईरान में चली जंग के बाद यह पहला राष्ट्रीय चुनाव था। चुनाव के बाद सामने आए एग्जिट पोल में नेतन्याहू गठबंधन को 59 वहीं आइजनकोट को 49 सीटें मिलतीं नजर आ रही हैं। इस चुनाव पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। इस चुनाव में नेतन्याहू की राजनीतिक किस्मत दांव पर लगी है। इस बार चुनाव में नेतन्याहू के सामने कई बड़े चेहरे मैदान में हैं, उनके सामने पूर्व पीएम नफ्ताली बेनेट जैसे प्रमुख विपक्षी नेता मजबूती से खड़े हैं। हालांकि, पीएम बनने के लिए बेंजामिन नेतन्याहू और इजराइल डिफेंस फोर्सेज के पूर्व हेड गादी आइजनकोट के बीच कड़ी टक्कर है। इजराइल में सरकार बनाने के लिए 61 सीटों का बहुमत जरूरी है। चुनावी माहौल में गाजा, हमास पर एक्शन, देश की सुरक्षा, सैन्य सेवा और न्यायिक सुधार सबसे प्रमुख चुनावी मुद्दे बने हुए हैं। इजराइल चुनाव में एग्जिट पोल नतीजों में पीएम नेतन्याहू के गठबंधन को बढ़त मिली है।

संक्षिप्त समाचार

सियासी भूचाल : लूला से चुनाव हार चुके बोल्सोनारो जा रहे अमेरिका

ब्रासीलिया। ब्राजील में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की जीत और पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो की हार के बाद देश में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। खबरें हैं कि विपक्षी पार्टी के नेता जायर बोल्सोनारो हार के बाद परिवार समेत अमेरिका जा रहे हैं, जबकि ब्राजील की अदालत उनका पासपोर्ट पहले ही रद्द कर चुकी है। इस घटनाक्रम पर नवनिर्वाचित राष्ट्रपति लूला ने कड़े सवाल उठाए हैं। बोल्सोनारो के कथित अमेरिका जाने की खबरों के बीच ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने उनका पासपोर्ट जब्त करने का आदेश दिया था। पुलिस ने उनके ब्राजीलियाई और राजनयिक दोनों पासपोर्ट रद्द कर दिए। हालांकि, उनके देश से बाहर जाने का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। बोल्सोनारो पर भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और विदेशी मुद्रा से जुड़े कई उल्लंघनों की जांच चल रही है, जिनमें कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मंचों और उनके पिता पर बनने वाली फिल्म डार्क हॉर्स की फाइनेंसिंग से संबंधित आरोप प्रमुख हैं। बोल्सोनारो इन सभी आरोपों से इनकार करते रहे हैं, लेकिन चुनावी हार के बाद उनकी संसदीय विशेषाधिकार समाप्त होने की आशंका है, जिससे उन पर कानूनी दबाव और बढ़ सकता है। राष्ट्रपति लूला ने बोल्सोनारो के देश छोड़ने की खबरों को शर्मनाक बताया है। 28 अक्टूबर को अपने 81वें जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में लूला ने कहा, जो व्यक्ति अपने देश से छिपकर निकलता है, उसके पास छिपाने के लिए कुछ न कुछ जरूर होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बोल्सोनारो को देश छोड़ने के बजाय ब्राजील में रहकर अदालत में अपने खिलाफ लगे आरोपों का सामना करना चाहिए। उधर, अमेरिकी प्रशासन ने बोल्सोनारो और उनके परिवार को अमेरिका आने के लिए वीजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रिपोर्टों के अनुसार, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सलाहकार ने बताया कि ट्रंप ने बोल्सोनारो को अमेरिका में एंट्री करने की मंजूरी दे दी थी और अधिकारियों द्वारा उन्हें वीजा जारी किए जा रहे हैं। ट्रंप और बोल्सोनारो परिवार के बीच पुराने राजनीतिक संबंध रहे हैं। ट्रंप पहले भी जायर बोल्सोनारो के समर्थन में बयान दे चुके हैं।

एग्जिट पोल में नेतन्याहू की सरकार गिरने का अनुमान, विपक्ष आगे

तेलअवीव। इजरायल में राजनीतिक उथल-पुथल की आशंका बढ़ गई है। मतदान के बाद आए एग्जिट पोल के शुरुआती आंकड़े संकेत दे रहे हैं कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार मुश्किल में है, क्योंकि विपक्षी गुट गाडी आइजनकोट आगे चल रहा है। अभी तक किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है, हालांकि अंतिम नतीजे अभी आने बाकी हैं। ये नतीजे नेतन्याहू के लिए बड़ी चिंता का विषय हैं। खास बात यह है कि दशकों बाद इजरायल में रिकॉर्ड तोड़ मतदान हुआ है इजरायल की 120 सीटों वाली संसद, नेसेट में सरकार बनाने के लिए 61 सीटों की आवश्यकता होती है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत मिलने की संभावना कम है, जिससे अल्पमत की सरकार या नए चुनावों की स्थिति बन सकती है। विपक्षी आइजनकोट गुट को पहली बार सरकार बनाने का मौका मिल सकता है। विभिन्न एग्जिट पोल के अनुसार, विपक्षी गठबंधन 52 से 53 सीटें हासिल कर सकता है, जबकि नेतन्याहू के नेतृत्व वाले गठबंधन को लगभग 50 सीटें मिलने का अनुमान है। हालांकि, नेतन्याहू की लिकुड पार्टी 24 या 25 सीटों के साथ सबसे बड़ी एकल पार्टी के रूप में उभर सकती है। कुछ अनुमानों में नेतन्याहू के गठबंधन को 60 सीटों के करीब भी दिखाया गया है, लेकिन बहुमत अभी भी दूर है। चुनाव में अरब पार्टियों को लगभग 18 सीटें मिलने की संभावना है। इन दलों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे किसी भी प्रमुख गठबंधन का समर्थन नहीं करेंगे, जिससे सरकार गठन की प्रक्रिया और भी जटिल हो गई है। इजरायल की कुल आबादी में 21 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले अरब नागरिकों का मतदान प्रतिशत इस बार 63 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछली बार से काफी अधिक है नेतन्याहू के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरे गाडी आइजनकोट चार साल पहले ही राजनीति में आए हैं। वह पहले नेतन्याहू की वॉर कैबिनेट का हिस्सा थे, लेकिन नेतृत्व की आलोचना करते हुए आठ महीने बाद ही इस्तीफा दे दिया था।

उत्तर कोरिया से संबंध मजबूत करने में जुटे चीन और रूस

प्योंगयांग।एक समय अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और कूटनीतिक अलगाव झेल रहा उत्तर कोरिया आज वैश्विक राजनीति का एक प्रमुख केंद्र बनता दिख रहा है। वर्तमान में चीन और रूस दोनों ही देश उत्तर कोरिया के साथ अपने रणनीतिक, आर्थिक और सैन्य संबंधों को प्रगाढ़ करने की होड़ में लगे हैं, जिससे क्षेत्रीय समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर कोरिया को उसके पड़ोसी देशों से जोड़ने वाले दो नए और महत्वपूर्ण पुलों को आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। रूस ने हाल ही में तुमेन नदी पर निर्मित एक नए सड़क पुल का उद्घाटन किया है। यह पुल दोनों देशों के बीच संपर्क को नई ऊंचाई दे रहा है। इस नदी पर 1959 से एक रेल पुल मौजूद था, लेकिन नए सड़क मार्ग से सीधे वाणिज्यिक और मानवीय आवाजाही सुलभ हो गई है। इस पुल का निर्माण समझौते के बाद रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। जानकारों के अनुसार, इसका नाम उस सोवियत सैन्य अधिकारी के नाम पर रखा गया है जिसने 1940 के दशक में उत्तर कोरिया के संस्थापक की जान बचाई थी। रूस को यूक्रेन के साथ जारी संघर्ष के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों और गोला-बारूद की आवश्यकता है, जिसके बदले मॉस्को प्योंगयांग को सामरिक और आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहा है। दूसरी ओर, चीन और उत्तर कोरिया के बीच 1200 किलोमीटर से अधिक लंबी साझी सीमा लगती है। चीन के डांडोंग शहर को उत्तर कोरिया के सिनुइजू से जोड़ने वाला यालू नदी का नया पुल 2014 में ही बनकर तैयार हो चुका था। हालांकि, उत्तर कोरिया की तरफ बुनियादी ढांचे और पहुंच मार्गों की कमी के कारण यह पुल 12 साल तक बेकार पड़ा रहा। 2025 से निर्माण गतिविधियों में तेजी आने के बाद अब इसे औपचारिक रूप से चालू कर दिया गया है। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार में अत्यधिक सुगमता आएगी, जो पहले एक पुराने और जर्जर पुल पर निर्भर था।

दक्षिण कोरिया सीमा पर उत्तर कोरियाई तोपों की तैनाती से बड़ा तनाव

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच जारी तनाव के मध्य सीमावर्ती विसैन्यीकृत क्षेत्र (डीएमजेड) के निकट उत्तर कोरियाई सेना की हलचल अचानक तेज हो गई है। दक्षिण कोरिया से सटी सीमा के पास उत्तर कोरिया की कई बख्तरबंद गाड़ियां तैनात देखी गई हैं, जिनकी तोपों का मुंह सीधे दक्षिण कोरिया की तरफ है। शुरुआत में सीमावर्ती इलाके में ऐसी एक गाड़ी नजर आई थी, लेकिन कुछ ही दिनों में वहां तीन भारी वाहन दिखाई देने लगे। इसके अतिरिक्त, दर्जनों उत्तर कोरियाई सैनिक विवादित सीमा क्षेत्र में सुरक्षा बाड़ लगाने का काम करते हुए भी पाए गए हैं। सीमा पर तैनात बख्तरबंद वाहनों में 122 मिलीमीटर की सेल्फ-प्रोपेल्ड होवित्जर तोप शामिल मानी जा रही है। यह उत्तर कोरिया का एक पुराना तोपखाना तंत्र है, जिसके 1970 के दशक के अंतिम वर्षों में सेना में शामिल होने का अनुमान है। इस तोप की अधिकतम मारक दूरी लगभग 24 किलोमीटर तक है, जिसकी जद में दक्षिण कोरिया का प्रमुख सीमावर्ती शहर जिम्पो भी आता है। यद्यपि यह हथियार तंत्र उत्तर कोरिया के आधुनिक तोपखाने के मुकाबले कम ताकतवर है, फिर भी सीमा के इतने करीब इसकी सीधी तैनाती सुरक्षा के दृष्टिकोण से काफी चिंताजनक मानी जा रही है। सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर कोरिया द्वारा इन तोपों की इस प्रकार खुली तैनाती को अपनी वास्तविक युद्ध क्षमता बढ़ाने से ज्यादा अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करने के रूप में देखा जाना चाहिए। इन गाड़ियों को जानबूझकर ऐसी जगहों पर खड़ा किया गया है जहां से वे दक्षिण कोरियाई पक्ष और सीमा पर आने वाले लोगों को स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकें।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 29 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

रोहित ओर विराट जिताएंगे 2027 एकदिवसीय विश्वकप : सुरेश रैना



मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि आगामी 2027 विश्वकप में अगर विराट कोहली और रोहित शर्मा खेले तो भारतीय टीम की जीत तय है। रैना ने कहा कि वह ये बात पूरे भरोसे से कह रहे हैं और यहां तक कि लिख कर भी दे सकते हैं कि दोनो के कारण ही टीम खिताबी जीत दर्ज करेगी। रैना का ये बयान ऐसे समय आया है जब अटकलें हैं कि क्या विश्व कप तक रोहित ओर विराट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलेंगे या नहीं वहीं एक रैना को रोहित और विराट की बल्लेबाजी क्षमता पर पूरा भरोसा है। यह अटूट विश्वास इन दो दिग्गज बल्लेबाजों की क्षमता और अनुभव पर आधारित है, जिनकी मौजूदगी किसी भी टीम के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। यह बयान भारतीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर उम्मीद की किरण भी जगाता है, खासकर 2023 विश्व कप फाइनल में मिली हार के बाद, जहां भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों शिकस्त मिली थी। उस हार का दर्द अभी भी ताजा है, और अगले विश्व कप में खेलने की इच्छा और ट्रॉफी जीतने का जुनून उनके लिए एक बड़ी प्रेरणा हो सकती है।

रैना ही नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने भी हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा के 2027 विश्व कप में खेलने की संभावना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीतने में मददगार साबित हो रहा है, तो उसकी उम्र को चयन में बाधा नहीं बनना चाहिए। मन्हास के मुताबिक, टीम में जगह पाने के लिए खिलाड़ी की फिटनेस और उसका मैदान पर प्रदर्शन ही सबसे महत्वपूर्ण मानदंड होने चाहिए, न कि उसकी जन्मतिथि। यह बीसीसीआई का एक प्रगतिशील रुख है जो अनुभव और प्रदर्शन को प्राथमिकता देता है।

हालांकि, रोहित और विराट के सामने 2027 विश्व कप तक एक बड़ी चुनौती होगी। दोनों खिलाड़ी फिलहाल टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, और अब उनका पूरा ध्यान एकदिवसीय क्रिकेट पर केंद्रित है। लेकिन अगले एक साल तक अपनी फिटनेस को बनाए रखना और लगातार शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करना उनके लिए आसान नहीं होगा। अप्रैल 2027 तक रोहित शर्मा 40 साल के हो जाएंगे, जबकि विराट के दौरान 38 वर्ष के होंगे। दोनों 2023 वनडे विश्व कप में भारतीय टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा थे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में राशिद खान बना सकते है विश्व रिकार्ड

हरारे। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में एक विकेट लेते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर लेंगे। राशिद इस मैच के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में 200 विकेट के ऐतिहासिक आंकड़े को पार करने वाले पहले गेंदबाज बन जाएंगे। अभी उनके नाम 119 अंतरराष्ट्रीय टी20 मैचों में 199 विकेट हैं। राशिद की यह यात्रा उनके असाधारण कौशल और निरंतरता का प्रमाण है। पहले टी20 मैच में उन्होंने 4 ओवर में केवल 20 रन देकर 2 विकेट लिए थे। सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं उन्होंने बल्लेबाजी में भी 10 गेंदों पर 30 रनों की आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के आदिल राशिद 153 मैचों में 171 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके बाद हांगकांग के एहसान खान (119 मैचों में 165 विकेट), न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी (142 मैचों में 165 विकेट) और न्यूजीलैंड के ही टिम साउदी (126 मैचों में 164 विकेट) का नंबर आता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा, लीग क्रिकेट सहित समग्र टी20 प्रारूप में भी राशिद ने अपनी बादशाहत कायम रखी है।

वह कुल 550 टी20 मैचों में 740 विकेट के साथ दुनिया के सबसे सफल टी20 गेंदबाज हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 102 अंतरराष्ट्रीय टी20 मैचों में 149 विकेट लिए हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में उनके पास अपने 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने का शानदार अवसर होगा।

स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार वावरिंका ने खेल को अलविदा कहा

बेसल। स्विटजरलैंड के दिग्गज स्विस स्टार स्टेन वावरिंका ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन 41 साल के वावरिंका ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने, स्विस इंडोर्स बेसल टूर्नामेंट में मिली हार के बाद सन्यास लिया। वावरिंका को अपने इस अंतिम मुकाबले में जिरी लेहेका ने हराया। अपने शानदार करियर में, वावरिंका ने तीन ग्रैंड स्लैम एकल खिताब, एक ओलंपिक स्वर्ण पदक (युगल में) और एक डेविस कप जीता। वह विशेष रूप से अपने शक्तिशाली और वन-हैंडेड बैकहैंड के लिए जाने जाते थे, जिसे खेल के इतिहास के सबसे बेहतरीन शॉट्स में से एक माना जाता है। उनके नाम कुल 590 टूर-लेवल जीतें और 16 टूर-लेवल खिताब दर्ज हैं, जिसमें 2014 में एटीपी रैंकिंग में करियर के सबसे ऊंचे नंबर 3 पर पहुंचना शामिल है। वावरिंका के करियर का सबसे उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि उन्होंने अपने तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब उस समय के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ियों को हराकर जीते। 2014 में, उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में स्पेन के शीर्ष खिलाड़ी राफेल नडाल को हराया जो उस समय नंबर एक पर थे। इसके बाद, 2015 के फ्रेंच ओपन और 2016 के यूएस ओपन में उन्होंने सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराकर खिताब जीता। रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच वाले महान खिलाड़ियों के स्वर्णिम युग में प्रतिस्पर्धा करते हुए भी वावरिंका ने अपनी अलग पहचान बनायी थी। उन्होंने साल 2014 में मोंटे-कार्लो में अपना इकलौता एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब अपने हमवतन महान खिलाड़ी फेडरर को हराकर जीता था। ओलंपिक में भी उनका प्रदर्शन यादगार रहा, जहां उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में फेडरर के साथ पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीता। 2014 में, इसी जोड़ी ने स्विट्जरलैंड के लिए पहला डेविस कप खिताब भी जीता था, जो उनके देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी।

ऑकलैंड टी-20 में 40,000 से अधिक दर्शकों के आने का अनुमान

ऑकलैंड । यहां भारत और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच शुक्रवार को होने वाले चौथे टी-20 मुकाबले में दर्शकों की भारी भीड़ होने की उम्मीद है। भारतीय टीम ने इस सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है पर जिस प्रकार का रोमांचक क्रिकेट देखने में आया है उससे प्रशंसक उत्साहित हैं। इस मैच में 40,000 से अधिक दर्शकों के आने की संभावना है। इससे एक कारण भारतीय टीम के बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी है। वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे टी-20 में इन दोनों ने पहले विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 133 रनों की साझेदारी कर किवी गेंदबाजों को को कोई अवसर नहीं दिया। इस दौरान दोनो ने ही एक से बढ़कर एक शॉट लगाकर दर्शकों का काफी मनोरंजन किया था। अभिषेक ने केवल 38 गेंदों पर 113 रनों की पारी खेली। वहीं वैभव ने भी 19 गेंदों में 45 रन बना दिये। युवा खिलाड़ियों की बैखौफ बल्लेबाजी से दर्शकों का मैचों की ओर रुझान बढ़ा है। इससे माना जा रहा है कि दर्शक एक नया रिकार्ड बना देंगे। इससे पहले साल 2019 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए एक मुकाबले में 36,523 दर्शक उपस्थित थे। ईडन पार्क में अब तक की सर्वाधिक दर्शक संख्या वर्ष 1982 में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के एकदिवसीय मैच के दौरान 42,000 तथा वर्ष 2015 के विश्व कप सेमीफाइनल में 41,000 दर्ज की गई थी। वहीं यदि चौथे टी20 में शुक्रवार को 40,000 से अधिक दर्शक स्टेडियम पहुंचते हैं, तो ये दर्शकों की संख्या के मामले में तीसरी बार होगा जब इतने अधिक लोग स्टेडियम पहुंचते हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया है कि पांचवे टी20 के भी पूरे टिक बिक गये हैं। जानकारों की मानें तो दर्शकों का यह उत्साह केवल ऑकलैंड तक ही सीमित नहीं है। रविवार को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेले जाने वाले पांचवें और अंतिम टी-20 मुकाबले के टिकट भी पूरी तरह से बिक चुके हैं।

आईसीसी ने आचार संहित उल्लंघन के लिए पाक के हारिस रऊफ पर जुर्माना लगाया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आचारसंहित उल्लंघन के लिए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ पर जुर्माना लगाया है। इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को हए इस मुकाबले में रऊफ को अनुचित व्यवहार का दोषी पाया गया और उनपर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाये जाने के साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया। इसके अलावा इंग्लैंड टीम पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है।आईसीसी ने कहा है कि रऊफ ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए बनाये आचार संहिता नियमों को तोड़ा है। ये खेल की भावना के विपरीत व्यवहार है। इसलिए उन्हें आधिकारिक तौर पर फटकार भी लगायी गयी है। गौरतलब है कि यह पिछले 24 महीने की अवधि में तीसरी बार है जब रऊफ ने कोई उल्लंघन किया है, जिसके चलते उनके खाते में कुल पांच नकारात्मक अंक दर्ज हो गए हैं। यह घटना पाकिस्तान की पारी के अंत में 46वें ओवर की समाप्ति के बाद हुई। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े रऊफ ने वाइड बॉल की अपील की, जिसके बाद उनकी इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स के साथ बहस हो गई। पाकिस्तान के इस तेज गेंदबाज ने बहस के दौरान अपना बल्ला उठाया और ऑन-फील्ड अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद की चेतावनी के बावजूद अपनी बहस जारी रखी। इसके बाद, वह जैक्स की ओर बढ़ते हुए अंपायर को धक्का दे बैठे, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।वहीं इस मैच में इंग्लैंड टीम को धीमी ओवर गति का दोषी पाते हुए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने ओवर पूरा करने में तीन ओवर पीछे रह गए थे। यह जुर्माना आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत लगाया गया है, जिसमें यह स्पष्ट है कि यदि कोई टीम न्यूनतम ओवर-रेट की आवश्यकता से प्रत्येक ओवर कम फेंकती है, तो खिलाड़ी की मैच फीस का पांच फीसदी जुर्माना लगाया जाएगा।हारिस रऊफ और इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक दोनों ने ऑफ मैच रेफरी जेफ क्रो द्वारा लगाए गए आरोपों और संबंधित सजाओं को स्वीकार कर लिया।



इटली में सीरीज ए फुटबॉल में लैंजियो के खिलाफ मैच में गोल बचाने का प्रयास करते हुए सेसुयेलो के गोलकीपर स्टीफेनो टुरेटी।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

टाटा समूह विवाद पर राजनीतिक घमासान तेज, राहुल के निशाने पर मोदी सरकार

मुंबई। देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में से एक, टाटा समूह के भीतर चल रही खींचतान अब एक बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुकी है। टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच नेतृत्व, कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने और कामकाज के तरीकों को लेकर उपजे विवाद पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इस प्रमुख उद्योग समूह को आपराधिक तरीके से नुकसान पहुंचाया जा रहा है और डर के माहौल के कारण देश का पूरा कारोबारी समूह खामोश है। सोशल मीडिया पर अपनी बात रखकर राहुल गांधी ने भारतीय उद्योग जगत की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि भारतीय कारोबार कोई खिलौना नहीं है और देश के शीर्ष नेतृत्व (नरेंद्र मोदी और अमित शाह) को इसतरह के मामलों में निष्पक्षता व न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। यह पूरा विवाद तब खुलकर सामने आया जब टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस और उसकी सबसे बड़ी शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स (जो टाटा संस में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती है) के बीच नेतृत्व और रणनीतिक फैसलों को लेकर मतभेद सार्वजनिक हुए। विवाद की मुख्य वजह टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष नोएल टाटा द्वारा एन. चंद्रशेखरन को टाटा संस का अध्यक्ष फिर से नियुक्त करने संबंधी उस प्रस्ताव को चुनौती देना है, जो कि सितंबर में निदेशक मंडल की बैठक में पारित किया गया था। जानकारों के अनुसार, भारत के कॉर्पोरेट इतिहास में टाटा समूह का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान देखकर शीर्ष कंपनियों के बीच चल रहा यह घमासान न केवल शेयर बाजार बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि कारोबारी पारदर्शिता और कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिहाज से इस विवाद का जल्द से जल्द समाधान आवश्यक है, ताकि देश के औद्योगिक माहौल पर इसका कोई विपरीत असर न पड़े।

मोबाइल पीएलआई योजना की सफलत : 19,000 करोड़ के प्रोत्साहन से 3.25 लाख करोड़ का राजस्व

मुंबई। भारत सरकार द्वारा देश में मोबाइल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए शुरू हुई महत्वाकांक्षी प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने अभूतपूर्व सफलता पाई है। इस योजना के तहत मोदी सरकार ने मोबाइल निर्माण क्षेत्र को केवल 19,000 करोड़ का प्रोत्साहन (सब्सिडी) दिया था, इसके बदले सरकारी खजाने में करों के रूप में 3.25 लाख करोड़ की बंपर राशि जमा हुई है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने आंकड़े पेश कर योजना की प्रभावशीलता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस राजस्व में 25,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर और 3 लाख करोड़ रुपये माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के रूप में प्राप्त हुए हैं। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री का यह स्पष्टीकरण उन आलोचनाओं के मुंह पर तमाचा है जिसमें दावा किया गया था कि करदाताओं के पैसे से दी जाने वाली सब्सिडी की तुलना में मोबाइल कलपुर्जों के आयात पर अधिक खर्च हो रहा है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में वर्तमान में 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है, जिसमें से सिर्फ मोबाइल निर्माण क्षेत्र में 12 लाख से अधिक लोग काम कर रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 2 लाख करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन का निर्यात किया। यह उल्लेखनीय है कि एक दशक पहले देश में कुल घरेलू मांग का 75 प्रतिशत हिस्सा मोबाइल आयात पर निर्भर था, जो अब घटकर मात्र 0.02 प्रतिशत रह गया है। इस दौरान भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का कुल उत्पादन 6 गुना बढ़कर 11.3 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि मोबाइल फोन का उत्पादन बढ़कर करीब 5.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। मोबाइल निर्माण में आत्मनिर्भरता को और अधिक मजबूत करने के लिए सरकार ने 62,500 करोड़ रुपये के कुल बजट वाली एक नई मोबाइल फोन विनिर्माण योजना की भी शुरुआत की है।

ऐसे वैश्विक स्तर के संस्थान बनाएं जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य का सामना कर सकें

शक्तिकांत ने बैंकिंग क्षेत्र के विकास के लिए पांच प्राथमिकताओं को किया रेखांकित

नई दिल्ली। मुंबई में बीएफएसआई इनसाइट समिट में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने देश में बड़े बैंकों के निर्माण और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के और ज्यादा एकीकरण की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में हुए बैंकों के विलय से एक ठोस आधार तैयार हुआ है और अब अगला लक्ष्य ऐसे वैश्विक स्तर के संस्थान बनाना होना चाहिए जो जटिल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य का सामना कर सकें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग क्षेत्र के विकास के लिए मुख्य रूप से पांच प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है। इनमें विशालकाय



संस्थानों का निर्माण, कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को गहरा बनाना, म्युनिसिपल बॉन्ड व्यवस्था को मजबूत करना, बीमा कवरेज का विस्तार और पेंशन की पहुंच को हर नागरिक तक पहुंचाना शामिल है। जानकारों के मुताबिक बड़े बैंक बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण और वैश्विक आर्थिक झटकों को सहने में ज्यादा सक्षम होते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऋण विस्तार को बढ़ावा देना, दीर्घकालिक बचत जुटाना और विनिर्माण क्षेत्र को गति प्रदान करना है। वर्तमान में भारतीय बैंकिंग प्रणाली की स्थिति काफी मजबूत है और यह पुराने फंसे कर्जों से उबर चुकी है। मार्च 2026 तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात घटकर कई दशकों के निचले स्तर 1.8 फीसदी पर आ गया है, जबकि शुद्ध एनपीए घटकर मात्र 0.4 फीसदी रह गया है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली रुकावटों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने बेहतर स्थिरता का प्रदर्शन किया है। उद्योगों को मिलने वाले बैंक ऋण में भी सालाना आधार पर करीब 20 फीसदी की वृद्धि हुई, जो निजी कॉरपोरेट निवेश चक्र में सुधार का संकेत देती है। जानकारों का कहना है कि भारत के निजी ऋण घनत्व को बढ़ाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में ऋण की पहुंच बढ़ानी होगी। साथ ही सूक्ष्म और छोटे व्यवसायों को अधिक वित्तीय सहायता देकर आर्थिक समावेशन को मजबूत किया जाना जरुरी है।

दीपावली पर कर्मचारियों को बोनस न देने पर कंपनी पर हो सकती है कानूनी कार्रवाई

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के कर्मचारी वार्षिक बोनस और उपहारों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। भारत में पात्र कर्मचारियों को बोनस देना एक परंपरा नहीं, बल्कि श्रम कानूनों के तहत एक कानूनी दायित्व भी है। श्रम कानूनों के मुताबिक यदि कोई कंपनी पात्र कर्मचारियों को अनिवार्य बोनस देने से इनकार करती है, तो उसे दंडात्मक कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। भारत में कर्मचारियों के बोनस से जुड़े नियमों का नियमन पहले पेमेंट ऑफ बोनस एक्ट, 1965 के तहत होता था, जिसे अब नए श्रम कानूनों के अंतर्गत कोड ऑन वेजेज, 2019 में शामिल कर दिया गया है। इन कानूनों के तहत किसी संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों की पात्रता, वेतन सीमा और सेवा अवधि के आधार पर बोनस तय किया जाता है। कानून के मुताबिक पात्र कर्मचारियों को न्यूनतम 8.33 फीसदी से लेकर अधिकतम 20 फीसदी तक बोनस देने का प्रावधान तय है। अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या बोनस न देने पर कंपनी के मालिक को जेल हो सकती है। श्रम विशेषज्ञों के मुताबिक किसी पात्र कर्मचारी को अनिवार्य बोनस न देने की स्थिति में कंपनी पर जुर्माना और अन्य कानूनी कार्रवाइयां की जा सकती हैं। हालांकि केवल बोनस न देने पर जेल भेजने की स्वचालित व्यवस्था नहीं है, बल्कि मामला श्रम विभाग में जाने के बाद जांच और अदालती प्रक्रिया के तहत परिस्थितियों के आधार पर फैसला लिया जाता है। जानकारों की सलाह है कि यदि किसी संस्थान द्वारा पात्रता के बावजूद बोनस का भुगतान नहीं किया जाता है, तो कर्मचारी पहले अपने मानव संसाधन विभाग या प्रबंधन से लिखित रूप में स्पष्टीकरण मांग सकते हैं।

केनरा रोबेको ला रहा है नया आर्बिट्राज फंड

मुंबई। म्युचुअल फंड में निवेश करने के इच्छुक लोगों के लिए जल्द ही एक नया वित्तीय विकल् बाजार में मौजूद होगा। केनरा रोबेको म्युचुअल फंड ने अपनी नई ओपन-एंडेड योजना केनरा रोबेको आर्बिट्राज फंड का ड्राफ्ट दस्तावेज बाजार नियामक सेबी के पास जमा कराया है। इस योजना के तहत निवेशक सामान्य कारोबारी दिनों में आसानी से अपना पैसा लगा सकते और जरूरत पड़ने पर वापस भी निकाल सकते है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य शेयर बाजार के कैश और डेरिवेटिव सेगमेंट में प्रतिभूतियों की कीमतों के बीच मौजूद अंतर का लाभ उठाकर प्रतिफल अर्जित करना है।

आज हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद, जाने अन्य राज्यों में क्या रहेगा हाल

मुंबई। अगर आप 29 अक्टूबर को बैंक जाने की सोच रहे हैं, तब यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कैलेंडर के अनुसार, गुरुवार को कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचौथ के त्यौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुट्टी केवल हिमाचल प्रदेश तक ही सीमित है। देश के अन्य सभी राज्यों, जैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल सहित अधिकांश जगहों पर बैंक सामान्य रूप से खुले रहने वाले है। इन राज्यों में करवाचौथ का उत्सव होने के बावजूद बैंकिंग सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बता दें कि करवाचौथ हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जिसमें विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। इस दिन सुबह सरगी से शुरुआत होती है और शाम को चंद्रमा की पूजा के बाद ही व्रत खोला जाता है।



पूर्व सांसद धर्मेंद्र कुमार कश्यप उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पार्टी ऑफिस में पार्टी प्रेसिडेंट अखिलेश यादव की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

शेयर बाजार में जियो की लिस्टिंग, एमटीएफ के जरिए कारोबार करने की अनुमति

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों की लिस्टिंग हो गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक कंपनी के शेयरों में पहले ही दिन से मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी (एमटीएफ) के जरिए कारोबार करने की अनुमति दी गई है। यह सुविधा उन निवेशकों के लिए मददगार साबित होगी जो शेयर खरीदना चाहते हैं लेकिन उनके पास पूरी राशि उपलब्ध नहीं है। मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी शेयर बाजार में निवेश की एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें निवेशक को शेयर खरीदने के लिए पूरी रकम अपनी जेब से नहीं देनी पड़ती। इसके तहत निवेशक को कुल सौदे की कीमत का एक निश्चित प्रतिशत (मार्जिन) खुद देना होता है, जबकि बाकी बची हुई रकम ब्रोकर द्वारा फंडिंग के तौर पर मुहैया कराई जाती है। जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर का आईपीओ मूल्य दायरा 1,065 रुपए से 1,119 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था। लिस्टिंग के बाद बाजार में उपलब्ध कीमतों के आधार पर निवेशक इस ट्रेडिंग सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। यदि कोई निवेशक 1,20,000 रुपए के शेयर खरीदना चाहता है और ब्रोकर 50 फीसदी मार्जिन की शर्त रखता है, तो निवेशक को केवल 60,000 रुपए लगाने होंगे और शेष 60,000 रुपए ब्रोकर प्रदान करेगा। हालांकि, ब्रोकर द्वारा दी गई इस उधार राशि पर निवेशक को तय दरों के मुताबिक ब्याज का भुगतान करना होता है। जानकारों के मुताबिक मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा निवेशकों को अपनी उपलब्ध पूंजी से ज्यादा मूल्य के शेयर खरीदने की शक्ति प्रदान करती है। यदि शेयर का मूल्य बढ़ता है, तो निवेशक को अपनी वास्तविक पूंजी पर ज्यादा मुनाफा हासिल होता है, लेकिन इसके साथ ही इसमें जोखिम भी काफी ज्यादा होता है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

मुख्यमंत्री से फ्रांस के महावाणिज्य दूत पैट्रिक लेवेरिनो ने की शिष्टाचार भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बुधवार को मुम्बई में फ्रांस के महावाणिज्य दूत पैट्रिक लेवेरिनो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फ्रांस के महावाणिज्य दूत का मप्र की धरती पर स्वागत करते हुए अंगवस्त्र पहनाकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से आत्मीय चर्चा में कहा कि आप सब मध्यप्रदेश को फ्रांस का भरोसेमंद साझेदार मानें। उन्होंने महावाणिज्य दूत से कहा कि अगले साल (संभवत: फरवरी 2027 में) भोपाल में ही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट होने जा रही है। महावाणिज्य दूत इसमें फ्रांस की कम्पनियों का प्रतिनिधिमंडल लेकर जरुर आएं। एमपीआईडीसी इस काम के लिए आईएफसीसीआई और महावाणिज्य कार्यालय के साथ सम्पर्क, सहयोग और समन्वय का काम करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह सहित महावाणिज्य कार्यालय के सीनियर आफिसर्स भी उपस्थित थे।

मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने भाजपा कार्यालय में सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिन मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है, उन्हें शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। मंत्री लोधी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से सामने आने वाली जनसमस्याओं का गंभीरता से परीक्षण किया जाएगा और प्राथमिकता के आधार पर उनके समाधान का प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का निराकरण करने के साथ उन्हें शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ दिलाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में संगठन आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। जनसमस्याओं के निराकरण में संबंधित विभागों की भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए प्राप्त प्रकरणों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

हरदीप सिंह पुरी की उम्मीदवारी के विरोध में एनएसयूआई का प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाए जाने के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, शिवाजी नगर के पास प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पुरी का पुतला दहन किया और उनकी उम्मीदवारी वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने एपस्टीन मामले से जुड़े कथित संबंधों को लेकर सवाल उठाए। साथ ही, बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मुद्दे पर प्रदेश सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य सोनी ने कहा कि प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा एक गंभीर मुद्दा है। उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों की स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि सरकार को इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने चाहिए। सोनी ने हरदीप सिंह पुरी की उम्मीदवारी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि बच्चों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के बीच सरकार को उम्मीदवारों के चयन में भी सार्वजनिक जवाबदेही का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने एपस्टीन मामले से जुड़े कथित संबंधों को लेकर स्पष्टीकरण की मांग की।

मध्यप्रदेश पुलिस की संपत्ति संबंधी अपराधों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चोरी की वारदातों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं चोरी में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के लिए प्रदेशभर में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत 10 दिनों के दौरान विभिन्न जिलों एवं रेल पुलिस इकाइयों ने कार्रवाई कर चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों में पुलिस ने लगभग 1 करोड़ 24 लाख 51 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। जब्त संपत्ति में नर्मदा नल-जल योजना के पाइप, सोने-चांदी के आभूषण, विद्युत तार, मोबाइल फोन, लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, नकदी सहित अन्य सामग्री शामिल है। शाजापुर थाना अवंतिपुर बड़ोदिया पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए नर्मदा नल-जल योजना के चोरी हुए पाइप जब्त कर 73 लाख 85 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। रीवा थाना समान पुलिस ने शहर में लगातार हो रही चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए तीन संदिग्धों से पूछताछ के बाद सोना, नकदी एवं अन्य सामान सहित लगभग 23 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है। वहीं जीआरपी ग्वालियर ने ट्रेन एवं रेलवे स्टेशन पर ट्रॉली बैग चोरी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से विभिन्न कंपनियों के ट्रॉली बैग, लैपटॉप, चार मोबाइल फोन, आईपैड, मॉनिटर, घरेलू सामान एवं अन्य लगेज सहित लगभग 8 लाख 26 हजार 400 रूपए की संपत्ति जब्त की है।

ई विधानसभा होने से कार्य में कुशलता और पारदर्शिता आएगी : विधानसभा अध्यक्ष

मध्य प्रदेश विधानसभा अगले सत्र से होगी पेपरलेस, विधायकों का प्रशिक्षण शुरू



भोपाल। पहले जब विधायकों को प्रश्न लिखकर जमा करने होते थे, तब विधानसभा के एक सत्र में औसत 700 प्रश्न आते थे। ऑनलाइन व्यवस्था होने के बाद एक सत्र में प्रश्नों की संख्या चार हजार तक पहुंच गई। ये प्रश्न हर सदस्य के क्षेत्र की आवाज हैं। जब इतनी समस्याएं सरकार तक पहुंचती है तो इनका निराकरण करने के लिए व्यवस्थाएं अधिक सक्षम बनाती जाती है। ई विधानसभा होने के बाद विधानसभा के कार्य में कुशलता और पारदर्शिता आएगी और जनसमस्याओं को व्यापक रूप से समाधान हो सकेगा। यह विचार मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन नेवा के अंतर्गत विधायकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। मध्य प्रदेश विधानसभा अगले सत्र से पेपेरलेस होने जा रही है। इसके लिए विधानसभा में आयोजित तीन दिनी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में लोक लेखा समिति के अध्यक्ष भंवर सिंह शेखावत, प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष अजय विश्नोई, विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा, प्रशिक्षण के लिए आए अमित जैन तथा विधायकगण व उनका स्टॉफ उपस्थित थे। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि लंबे समय से हम सब लोग डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया पर काम कर रहे थे, प्रसन्नता है कि अब यह कार्य अंतिम चरण में है। हम सभी जानते हैं कि अगर हमें आगे बढ़ाना है तो युग के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। जब भी कोई नई तकनीक आती है तो एक पक्ष उस नई विधा का विरोध करता है और एक पक्ष उसे नई विधा को अस्त्र बनाकर प्रतिस्पर्धा में अन्य लोगों के साथ विजय प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दूरदृष्टि वाले नेता हैं। अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के शुरुआती दौर में जब उन्होंने डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया का लक्ष्य रखा तो इन्हें नारा माना गया। वैसे नारे जैसे सामान्य तौर पर राजनीतिक क्षेत्र में लगाए जाते हैं। लेकिन आज देश डिजिटल क्रांति के जिस स्थान पर खड़ा हुआ है उसकी तारीफ पूरी दुनिया कर रही है। तकनीक का उपयोग करके समय भी बचाया जा सकता है और गुणवत्ता भी प्रदर्शित की जा सकती है। तकनीक का उपयोग कर हम पूरी पारदर्शिता के साथ अपने जीवन को खुला रख सकते हैं तथा जिन मतदाताओं ने हमको निर्वाचित करके इस सदन में पहुंचाया,उनके सामने अपने कार्यों को रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया का ही परिणाम है कि चाहे किसान सम्मान निधि हो या लाडली बहन योजना, एक बटन दबाकर पैसा सीधा हितग्राही के खाते में पहुंचा दिया जाता है। बीच में कोई भी बिचौलिया नहीं होता है। जबकि पहले की सरकारों में यही असंतोष रहता था कि पात्र व्यक्तियों को पैसा नहीं मिला। तकनीक समय भी बचाता है और पारदर्शिता भी लाती है। विधानसभा के पेपरलेस होने की प्रक्रिया के संबंध में तोमर ने एक अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा कि जब डिजिटल भारत की बात चल रही थी तब प्रधानमंत्री मोदी को लगता था कि लोकसभा,राज्यसभा व देश की सभी विधान सभाएं एक स्थान पर उपलब्ध होनी चाहिए।

पुलिस में गुणवत्तापूर्ण एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग को मिल रही नई पहचान



भोपाल के चार थानों एवं एडिशनल डीसीपी कार्यालय जोन-3 को प्रमाणन

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस थानों एवं कार्यालयों की कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं जनोन्मुखी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अक्टूबर माह में प्रदेश के भोपाल, सिवनी, छिंदवाड़ा एवं अलीराजपुर जिलों की विभिन्न पुलिस इकाइयों को आईएसओ 9001-2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि पुलिस इकाइयों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्यप्रणाली विकसित करने, अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण, आधारभूत सुविधाओं में सुधार तथा आमजन को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करती है। भोपाल पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत थाना बागसेवनिया, थाना अशोका गार्डन, थाना कोलार, थाना खजूरी एवं एडिशनल डीसीपी कार्यालय जोन-3 को आईएसओ 9001.2015 प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। इन पुलिस इकाइयों में थानों के जीर्णोद्धार, पुराने अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण,पुलिसकर्मियों एवं आमजन के लिए बेहतर बैठने की व्यवस्था, परिसर के सौंदर्यीकरण तथा जनोन्मुखी सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। इससे पूर्व थाना मिसरोद, थाना रातीबड़ एवं महिला थाना भोपाल को भी आईएसओ प्रमाणन प्राप्त हो चुका है। थाना कोतवाली सिवनी एवं महिला थाना सिवनी को आईएसओ 9001-2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इन पुलिस इकाइयों को अपराधों के प्रबंधन एवं नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जनशांति, सुव्यवस्थित मालखाने,आधारभूत सुविधाओं तथा जनहितकारी पुलिस गतिविधियों के बेहतर संचालन के लिए निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप प्रमाणित किया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा थाना कोतवाली का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं,अभिलेखों के संधारण एवं उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन भी किया गया। छिंदवाड़ा जिले में थाना मोहखेड़ की चौकी उमरानाला को आईएसओ प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह जिले की प्रथम एवं एकमात्र ड्रुस्ह प्रमाणित पुलिस चौकी है। चौकी को निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विकसित करने तथा स्थानीय स्तर पर आमजन को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप यह उपलब्धि हासिल हुई है। जिले में थाना उदयगढ़,थाना आजादनगर, थाना चांदपुर,थाना नानपुर,रक्षित केन्द्र अलीराजपुर एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय अलीराजपुर को आईएसओ 9001-2015 प्रमाणन प्राप्त हुआ है। इन इकाइयों में कार्यप्रणाली को व्यवस्थित करने, अभिलेखों के उचित संधारण,आधारभूत सुविधाओं में सुधार तथा पुलिस सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों को गुणवत्ता प्रमाणन के माध्यम से मान्यता मिली है। मध्यप्रदेश पुलिस में आईएसओ 9001-2015 प्रमाणन की यह पहल केवल प्रमाणपत्र प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पुलिस इकाइयों की कार्यप्रणाली में मानकीकरण,जवाबदेही और निरंतर सुधार सुनिश्चित करना है।

भोपाल की रोटरियों और डिवाइडरों का होगा सौंदर्यीकरण : निगम आयुक्त

नगर निगम आयुक्त ने दिये आकर्षक पौधे और गमले लगाने के निर्देश

भोपाल। भोपाल नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शहर की सड़कों, सेंट्रल वर्ज, साइड वर्ज, डिवाइडरों और चौराहों की रोटरियों की बेहतर साफ-सफाई कराने के साथ आकर्षक पौधे लगाने और गमले रखकर सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बुधवार को कोलार क्षेत्र के विभिन्न इलाकों का सुबह 6 बजे निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था, उद्यानों और फुटपाथों के रखरखाव का जायजा लिया। निगम आयुक्त ने कोलार रोड, स्वर्ण जयंती पार्क, सर्वधर्म, दानिश कुंज और सतगढ़ी स्थित संस्कार उपवन सहित आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़कों, फुटपाथों, उद्यानों, सेंट्रल वर्ज, साइड वर्ज और रोटरियों की सफाई एवं संधारण की जानकारी ली। उन्होंने ट्रैक्टर माउंटेड मशीन और वाटर स्प्रिंकलर से किए जा रहे पानी के छिड़काव का भी अवलोकन किया तथा सफाई मित्रों से चर्चा की। अहिरवार ने स्वर्ण जयंती पार्क के पास फुटपाथ की सफाई कराने और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत उद्यान को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने चौराहों, सेंट्रल वर्ज, साइड वर्ज और रोटरियों से घास-फूस हटाने तथा वहां आकर्षक पौधे लगाने को कहा। दानिश कुंज तिराहे को सुंदर बनाने के लिए पेंटिंग, पुताई और रंग-रोगन कराने के साथ गमले रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने चौराहों पर लगे फाउंटेन और फुव्वारों का संचालन बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने को कहा। निगम आयुक्त ने दुकानदारों और ठेला संचालकों द्वारा सड़क तथा फुटपाथ पर सामान फैलाने पर नियंत्रण रखने के निर्देश दिए। उन्होंने दुकानों और ठेलों के आसपास लगी प्लास्टिक एवं पन्नियों को हटवाने तथा दुकानों के सामने के कॉरिडोर को साफ और अवरोधमुक्त रखने पर जोर दिया। संस्कार उपवन के आसपास फुटपाथ और साइड वर्ज से धूल-मिट्टी हटाने तथा सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। सब्जी बेचने वाले पथ विक्रेताओं सहित अन्य दुकानदारों को अपने ठेलों और दुकानों पर डस्टबिन रखने के लिए समझाइश देने को भी कहा गया, ताकि कचरा सड़कों पर न फैले। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अमन मिश्रा, अभिषेक सिंह, मुख्य अभियंता संतोष गुप्ता सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

करवा चौथ पर बदलेगा प्रदेश का मौसम,भोपाल में भी बारिश का अलर्ट

मध्यप्रदेश के 17 जिलों में भारी बारिश के आसार,रात में बढ़ेगी तेज ठंड

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस बार करवा चौथ पर मौसम व्रत रखने वाली महिलाओं की चिंता बढ़ा सकता है। 29 अक्टूबर को प्रदेशभर में बादल छाने के साथ आंधी, गरज-चमक और बारिश होने की संभावना है। पूर्वी मध्य प्रदेश के 17 जिलों में अति भारी और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में करवा चौथ की रात चांद के दीदार में भी परेशानी हो सकती है। वहीं अनूपपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में बुधवार सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे। दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रही। शाम होते-होते जिले के कई हिस्सों में बारिश शुरू हो गई। हल्की तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से दिन में भी ठंडक महसूस हुई। अमरकंटक में तेज बारिश हुई। वेंकटनगर में शाम करीब 5 बजे 7 से 10 मिनट तक हल्की बूंदाबांदी हुई। अनूपपुर जिला मुख्यालय में भी फुहारें पड़ीं। राजेंद्रग्राम और आसपास के गांवों में शाम करीब 5 बजे बारिश शुरू हुई। कुछ जगह हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई। अमरकंटक में ठंडी हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश होने से मौसम ठंडा हो गया। बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बादलों और चक्रवात के असर से रात में भी बारिश होने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, मंगलवार से ही प्रदेश में बारिश का दौर शुरू हो गया है,वहीं राजधानी भोपाल में बुधवार को आसमान पर बादल छाने के साथ ही ठंडी हवाएं चल रही है।। जानकारी के अनुसार कल 29 अक्टूबर को पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, सीधी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी और बालाघाट में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, छतरपुर, कटनी, जबलपुर, मंडला, छिंदवाड़ा और सिवनी में भारी बारिश होने की आशंका है। इन इलाकों में 24 घंटे के दौरान ढाई से 8 इंच तक पानी गिर सकता है। प्रदेश के अन्य जिलों में भी आंधी और बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। प्रदेश में मौसम बदलने की मुख्य वजह बंगाल की खाड़ी में सक्रिय मौसमी सिस्टम है। पूर्व-मध्य और उससे सटी दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर अवदाब यानी डिप्रेशन सक्रिय हो गया है। इसके आने वाले दिनों में डीप डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। वहीं, 27 अक्टूबर को चक्रवातीय परिसंचरण के तीव्र होकर चक्रवातीय तूफान में बदलने का अनुमान है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर में कृष्णमृग एवं नीलगाय रेस्क्यू एवं ट्रांसलोकेशन अभियान के सम्बंध में वन विभाग के अधिकारियों से चर्चा की ।

प्राकृतिक खेती,जैविक खेती और अब पशुपालन में असीम संभावनाएं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने वीसी से कटनी में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को किया संबोधित



भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भविष्य की योजनाओं से किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। नर्मदा घाटी की सिंचाई परियोजनाओं से जैसे मालवा और निमाड़ में कृषि ने नए क्षेत्रों का विस्तार हुआ है। ऐसा ही विकास का विस्तार सतना और कटनी क्षेत्र के किसानों के लिए शासन के प्रयास जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को इंदौर से वीसी के माध्यम से कटनी में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभी स्लीमनाबाद में सिंचाई परियोजना से किसानों के लिए नया रास्ता प्रशस्त हुआ है। कटनी को खनिज का गढ़ माना जाता है, लेकिन शासन के प्रयासों से यहां अब आधुनिक खेती की संभावनाएं प्रारंभ हुई है। किसानों द्वारा पारंपरिक खेती से हटकर चिया सीड, अश्वगंधा तथा सूखे मेवे काजू की प्रोसेसिंग शुरू होना शुभ संकेत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती और जैविक खेती में वृद्धि के साथ ही अब पशुपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। दीपावली पर्व के दौरान गोवर्धन पूजन के साथ ही प्रदेश के वृंदावन गांवों में गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में श्रेष्ठ दुग्ध उत्पादक गायों के पालकों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपये और तृतीय 25 हजार रुपये प्रदान किए जायेंगे। भविष्य में पशुपालन और मत्स्यपालन क्षेत्र को समृद्धशाली बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी के उन्नतशील किसानों से उनके द्वारा किए जा रहे नवाचारों के साथ ही अन्य कार्यों पर संवाद किया। इस दौरान कटनी में बोहरीबंद के किसान गोविंद पटेल ने बताया कि किसानों द्वारा नरवाई प्रबंधन में अच्छा काम किया जा रहा है। हैप्पी सीडर और सुपर सीडर के माध्यम से नरवाई प्रबंधन में अच्छा काम किया जा रहा है। इसमें शासन द्वारा किसानों को मदद की जा रही है। आवेदन करने के बाद एक लाख 90 हजार तक के नवीन यंत्रों पर 90 हजार की सब्सिडी की छूट दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि जिले में एरिया चिन्हित करे और उस क्षेत्र के किसानों को यंत्र प्रदान करने की योजना बनाये। किसान अंकित नवानी ने बताया कि उन्होंने केंद्र शासन की पीएमएफएमई योजना के माध्यम से 10 लाख रुपये की सब्सिडी पा कर काजू की प्रोसेसिंग प्रारंभ की है। इससे उन्हें अच्छा मुनाफा होने लगा है। अब वे ग्रेडिंग, कटिंग और सेलिंग में आगे बढ़ चुके है। कटनी के उन्नतशील किसान रामरूप पटेल ने बताया कि उनके पास आठ एकड़ कृषि भूमि है। इस भूमि में वे एक-एक एकड़ क्षेत्र में मिर्ची बैगन के साथ ही धान, गेहूं के अलावा बागवानी की खेती भी कर रहे हैं।

राजधानी भोपाल में 15 जनवरी को शौर्य और गौरवपूर्ण होंगे आर्मी डे परेड

मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने की आर्मी डे परेड की तैयारियों की समीक्षा



भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने आगामी 15 जनवरी को भोपाल में आर्मी डे परेड के मुख्य आयोजन और इससे पूर्व होने वाले अन्य कार्यक्रमों को शौर्य और गौरवपूर्ण तरीके से मनाने के लिए सभी संबंधित विभाग को उत्कृष्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव बर्णवाल ने बुधवार को मंत्रालय में विभिन्न विभागों के साथ आयोजन स्थलों की व्यवस्था, सुरक्षा,यातायात,आवास, प्रोटोकॉल एवं प्रचार-प्रसार आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की तथा अब तक की गयी तैयारी की जानकारी ली। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह संजय कुमार शुक्ला एवं सामान्य प्रशासन शिवशेखर शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य सचिव बर्णवाल ने निर्देश दिए कि आर्मी डे परेड के मुख्य आयोजन के लिए भेल स्थित कालीबाड़ी मार्ग पुनरूद्धार और रिसर्फेसिंग सहित विद्युत लाइनों के शिफ्टिंग की कार्रवाई तय समय-सीमा में कर ली जाए। लोक निर्माण विभाग ने आश्वस्त किया कि ये सभी कार्य आगामी 1 दिसंबर तक पूर्ण कर लिए जाएंगे। बैठक में बताया गया कि मुख्य आयोजन के लिए अतिविशिष्ट, विशिष्ट अतिथियों सहित लगभग 45 हजार दर्शकों के लिए बैठक, पेयजल, शौचालय, बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा की व्यवस्थाएं किए जाने की योजना बनाकर लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा समन्वय से कार्य प्रारम्भ किया गया है। टी.टी नगर स्टेडियम में शौर्य संस्कृति कार्यक्रम तथा भोपाल अपर लेक में होने वाले एयर शो के लिए भी सेना के अधिकारियों से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मुख्य सचिव बर्णवाल ने निर्देश दिए कि उक्त कार्यक्रमों में यातायात, पार्किंग, प्रवेश, निकास एवं समग्र सुरक्षा व्यवस्था की कार्य-योजना तैयार कर पुलिस आयुक्त भोपाल और ट्रैफिक पुलिस प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। मुख्य सचिव ने तीनों कार्यक्रमों के लिए अतिथियों के आवागमन एवं बैठक आदि व्यवस्था के लिए आरक्षित स्थानों की जानकारी ली और बेहतर क्रियान्वयन करने के लिए कहा।